उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः9 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 30 मार्च-2026

अंदर के पृष्ठ पर

घरेलू गैस सिलेंडर की हो रही कालाबाजारी, जिलापूर्ति अधिकारी आंखमूदे 8

अयोध्या में मनाई गई रामनवमी, रामलला का दिव्य सूर्य तिलक बना आकर्षण का केंद्र 5

मैं मौत के मुंह से लौटी हूं

अमित शाह के आरोपों पर बोलीं ममता बनर्जी

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने अपनी चोट पर अमित शाह की विक्टिम कार्ड वाली टिप्पणी का करारा जवाब दिया है, उन्हें अपनी मेडिकल रिपोर्ट देखने की चुनौती दी और पलटवार में उनके खिलाफ ही चार्जशीट की मांग की है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। दरअसल, अमित शाह ने एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजनीतिक आरोपपत्र जारी करते हुए ममता बनर्जी पर विक्टिम कार्ड खेलने का आरोप लगाया था। शाह ने कहा था कि चुनाव के समय ममता कभी अपनी चोट तो कभी चुनाव आयोग को मुद्दा बनाकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश करती हैं।पुरुलिया जिले के मानबाजार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने अमित शाह को सीधी चुनौती दी। उन्होंने कहा, जो लोग कह रहे हैं कि मैं चुनाव के दौरान पट्टी बांधकर घूमती हूं, वे जाकर मेरी विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट देख लें। मैं बार-बार मौत के मुंह से वापस लौटी हूं। उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या 2021 के चुनाव के दौरान उन्हें जानबूझकर चोट पहुंचाई गई थी और क्या अब उन्हें जान से मारने की कोई योजना बनाई जा रही है?

अमित शाह के खिलाफ चार्जशीट की मांग

अमित शाह द्वारा टीएमसी सरकार के खिलाफ जारी किए गए आरोपपत्र पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खुद शाह के खिलाफ उनके पुराने कृत्यों के लिए चार्जशीट दाखिल होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता केवल राज्य की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनकी सरकार ने बंगाल के विकास के लिए निरंतर काम किया है।

जन कल्याणकारी योजनाओं पर खतरा

ममता बनर्जी ने राज्य की महिलाओं को सचेत करते हुए कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह लक्ष्मी भंडार जैसी लोकप्रिय योजनाओं को बंद कर देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा लोगों की खान-पान की पसंद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर पाबंदी लगाने की कोशिश करेगी।

वेस्ट एशिया युद्ध के बीच पीएम मोदी की चेतावनी

अफवाहों से बचें, देश के सामने बड़ा ईंधन संकट खड़ा

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील की है कि वे अफवाहों और गलत जानकारी से दूर रहें और केवल सरकारी स्रोतों पर भरोसा करें।

रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम रुमें प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समय चुनौतीपूर्ण है और पूरे देश को एकजुट होकर इसका सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया के युद्ध का असर वैश्विक ईंधन संकट के रूप में सामने आ रहा है।

प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि जैसे भारत ने पहले भी मुश्किल हालातों का सामना किया है, वैसे ही इस बार भी 140 करोड़ भारतीय मिलकर इस संकट से बाहर निकलेंगे। 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से भारत मौजूदा युद्ध से पैदा हुए वैश्विक संकट का डटकर मुकाबला कर रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि एकजुट रहकर हम पहले की तरह ही इस कठिन चुनौती से पूरी तरह बाहर निकल आएंगे। एलपीजी आपूर्ति को लेकर चल रही चिंताओं के बीच सरकार ने साफ किया है कि देश में किसी तरह की कमी नहीं है और एक महीने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। हाल के दिनों में सप्लाई चेन प्रभावित होने की खबरों के कारण लोगों में चिंता देखी गई थी। प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर राजनीति करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह देश के हित से जुड़ा मामला है और अफवाह फैलाने वाले लोग देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और गलत जानकारी से बचने की अपील की।इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने खाड़ी देशों का आभार भी जताया, जहां एक करोड़ से अधिक भारतीय रह रहे हैं और काम कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया में यह संघर्ष अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद शुरू हुआ था, जिसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन हमले किए और प्रमुख समुद्री मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई और कई देशों में ऊर्जा संकट गहरा गया।

ईरान के हमलों से अमेरिका को भारी नुकसान 300 पार पहुंचा घायल सैनिकों का आंकड़ा

» सऊदी अरब स्थित सैन्य अड्डे पर ईरानी हमले में 15 अमेरिकी सैनिक घायल

» बीपीएस न्यूज

वाशिंगटन। ईरान के साथ जारी युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की संख्या 300 के पार पहुंच गई है। सऊदी अरब के एक सैन्य अड्डे पर इस सप्ताह हुए हमलों में दो दर्जन से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल हुए। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शुक्रवार को ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान हवाई ठिकाने पर छह बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें पांच की हालत गंभीर बताई गई है।

अमेरिकी अधिकारियों ने शुरू में बताया था कि कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को घोषणा की कि पश्चिम एशिया में और अधिक अमेरिकी सेना पहुंच रही है और लगभग 2,500 मरीन सैनिकों को लेकर नौसेना का एक जहाज क्षेत्र में पहुंच रहा है।

जल-रोधी हमलावर पोत यूएसएस त्रिपोली और उस पर सवार 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट के जवान जापान में तैनात थे। वे ताइवान के आसपास के क्षेत्र में अभ्यास कर रहे थे, तभी लगभग दो सप्ताह पहले उन्हें पश्चिम एशिया में तैनात होने का आदेश मिला।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका थल सेना के बिना ही अपने उद्देश्यों को पूरा कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप को कई तरह की आकस्मिक स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा और अमेरिकी सेनाएं राष्ट्रपति को अधिकतम विकल्प और आकस्मिक स्थितियों के उत्पन्न होने पर उनसे निपटने का अधिकतम अवसर प्रदान करने के लिए उपलब्ध हैं।इससे पहले, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार को कहा था कि एक महीने से जारी इस संघर्ष में 300 से अधिक सैनिक घायल हुए हैं। इनमें से अधिकतर स्वस्थ होकर फिर से ड्यूटी पर लौट चुके हैं, जबकि 30 अब भी सेवा के लिए योग्य नहीं हैं और 10 को गंभीर रूप से घायल माना जा रहा है।

भारत के 2 और एलपीजी जहाज होर्मुज से सुरक्षित निकले

दुबई। दो और भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर युद्ध-प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकल चुके हैं और अगले कुछ दिन में इनके भारतीय तटों पर पहुंचने की उम्मीद है। इन जहाज पर देश के लगभग एक दिन के इस्तेमाल का रसोई गैस का भंडार है।दो एलपीजी जहाज बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम, जो लगभग 94,000 टन का एलपीजी कार्गो ले जा रहे हैं, सुरक्षित रूप से इस क्षेत्र से गुजर चुके हैं और भारतीय तटों की ओर बढ़ रहे हैं। जहां बीडब्ल्यू टीवाईआर मुंबई की ओर बढ़ रहा है और इसके 31 मार्च को पहुंचने की उम्मीद है। वहीं बीडब्ल्यू ईएलएम न्यू मंगलौर की ओर जा है और इसके एक अप्रैल को आने की उम्मीद है। अमेरिका और इजराइल के हमलों और ईरान की व्यापक प्रतिक्रिया के कारण जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई है। यह संकीर्ण समुद्री मार्ग खाड़ी देशों से दुनिया में तेल और गैस के निर्यात का रास्ता है।हालांकि, ईरान ने पिछले सप्ताह कहा था कि जो देश शत्रु नहीं हैं जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय के बाद इस मार्ग से निकल सकते हैं।

अब जेल नहीं पर गंदगी फैलाने से कुत्ता घुमाने तक लगेगा भारी जुर्माना

» बीपीएस न्यूज

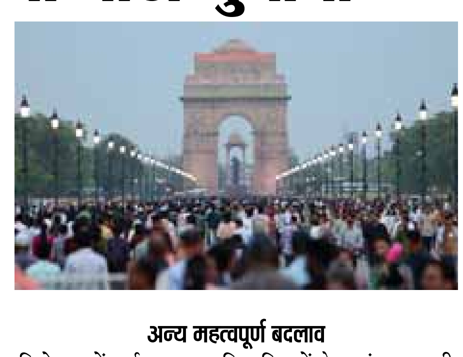

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के अनुसार प्रासंगिक बनाना है।

पालतू जानवरों से जुड़े नियम

नए विधेयक के तहत, यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपये के बजाय 1,000 रुपये जुर्माना देना होगा। इसी तरह, सड़कों पर मवेशियों (गायों या भैंसों) को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये करने का प्रस्ताव है।

गंदगी फैलाने पर सख्ती

सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए अधिकतम 50 रुपये का जुर्माना था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपये का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपये देने होंगे।

अन्य महत्वपूर्ण बदलाव

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 रुपये की जगह पर अब 500 रुपये देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपये होगा। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपये किया गया है।

जेल की सजा खत्म, अब लगेगा जुर्माना

विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम (धारा 387) के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान रखा गया है।

योगी ने नर्सिंग अधिकारियों को सौंपा नियुक्ति पत्र कहा

देश की अर्थव्यवस्था का 'ग्रोथ इंजन' बन चुका है यूपीः सीएम

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के 665 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में 9 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि कभी बीमारू कहे जाने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है और शीर्ष तीन राज्यों में शामिल है। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राज्य की स्थिति ऐसी थी कि कर्मचारियों को वेतन देने में भी कठिनाई होती थी, लेकिन आज प्रदेश राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) की स्थिति में पहुंच गया है। प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2017 से पहले यह क्षेत्र क्राइम कैपिटल के रूप में जाना जाता था, जबकि आज यह देश-दुनिया के निवेशकों के लिए प्रमुख केंद्र बन गया है।जेवर एयरपोर्ट परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे करीब एक लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफवाहों और दुष्प्रचार को लेकर भी लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व झूठी खबरें फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि प्रदेश में सभी व्यवस्थाएं सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए कहा कि हर चरण पर सख्त निगरानी रखी जाती है और गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होती है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि लोहिया संस्थान में 350 से अधिक रोबोटिक सर्जरी हो चुकी हैं और प्रदेश में 31 नए नर्सिंग कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में साइबर थाने और 1681 थानों में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित की गई हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग पहले नोएडा जाने से बचते थे, वे अब राजनीतिक कारणों से वहां पहुंच रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आस्था में विश्वास रखते हैं, लेकिन अंधविश्वास को नहीं मानते।

यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती बस में लगी भीषण आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

» बीपीएस न्यूज

मथुरा। मथुरा के नौझील थाना क्षेत्र में रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे पर एक निजी बस में आग लग गई। हालांकि, सभी यात्री बाल-बाल बच गए, लेकिन पूरी बस जलकर खाक हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आगरा से नोएडा जा रही एक निजी बस में एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर 64 के पास अचानक आग लग गई। बस में करीब 48 यात्री सवार थे। अग्निशमन अधिकारी किशन लाल ने बताया, बस के चालक ने इंजन से धुआं निकलते देखा। बस रोककर जांच की तो इंजन में आग लग चुकी थी। उसने तुरंत यात्रियों को सतर्क किया और उन्हें सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। लाल ने बताया कि मौके पर दमकल की चार गाड़ियां भेजी गईं और करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

बसपा सरकार में रखी गई थी जेवर एयरपोर्ट की नींव, बोलीं मायावती- कांग्रेस सरकार लगा रही थी रोड़ा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को दावा किया कि जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सभी जरूरी बुनियादी कार्य उनकी सरकार में ही शुरू हो गए थे। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक लंबी पोस्ट में कहा ÷काफी लम्बे इंतज़ार के बाद जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के प्रथम चरण का कल उद्घाटन हुआ जबकि इसकी रूपरेखा ही नहीं बल्कि इसके सभी ज़रूरी बुनियादी कार्य बसपा की मेरी सरकार में ही शुरू हो गये थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन किया। लगभग 11,200 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, नोएडा हवाई अड्डे को अटल जी (पूर्व प्रधानमंत्री) की सरकार ने 2003 में मंजूरी दे दी थी लेकिन यह नहीं बना। केंद्र में कांग्रेस और यहां की पहले की सरकारों ने वर्षों तक इस हवाई अड्डे की नींव तक नहीं पड़ने दी। हमारी सरकार बनी तो उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार थी। दो तीन साल सपा ने काम नहीं होने दिया लेकिन जैसे ही दिल्ली ।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक

(बी.पी.साहू)

मो-8423454502,

व्हाटसअप-9335908846

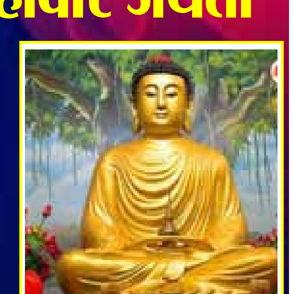

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय ....

किशोरों के हित में ऐतिहासिक फैसला

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं।

शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुर्माने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं।

विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं।

यही वजह है हफ्तों चले मुकदमे के दौरान बड़ी संख्या में किशोरों के अभिभावक वादी के पक्ष में अदालत के परिसर में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिये जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्कों की सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों का खतरा बढ़ गया है।, भारत समेत कई विकसित व विकासशील देशों में सोशल मीडिया से बच्चों के जीवन में पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर चिंता सालों से बनी हुई है। लेकिन देश में इस बाबत कोई नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती। बच्चों की पढ़ाई खराब होने और उनके मानसिक रोगों से ग्रस्त होने की आशंका से अब अभिभावक आक्रोश व्यक्त करने लगे हैं। यही वजह है कि दुनिया के विकसित देशों में इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बच्चों को दूर रखने के लिए कानून बन रहे हैं। आस्ट्रेलिया के बाद फ्रांस और अब अन्य यूरोपीय देश भी इस दिशा में पहल कर रहे हैं ताकि एक निर्धारित आयु से ऊपर के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें।

न्याय की सुलभता हो कानूनी शिक्षा का मकसद

निरंजन भंडारी

देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप 'न्याय की सुलभता' पर केंद्रित होना चाहिए। वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी तैयार करना जरूरी है। विश्वविद्यालयों में ऐसे 'न्याय के प्रहरी' तैयार किये जाएं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों तथा असल सामाजिक समस्याओं से भी गहरे जुड़े हों। भारत में कानूनी शिक्षा को केवल एक स्नातक डिग्री हासिल करने के माध्यम के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह एक जीवंत प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य ऐसे सजग 'सोशल इंजीनियर' तैयार करना है जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिला सकें। हाल ही में अश्विनी उपाध्याय बनाम भारत संघ (2026) मामले में उच्चतम न्यायालय की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की। स्पष्ट किया कि कानूनी शिक्षा जैसे नीतिगत मामलों में जल्दबाजी में निर्णय नहीं लिया जाएगा।

यह वक्तव्य संकेत करता है कि वर्तमान में जारी 4 साल बनाम 5 साल की अवधि का विवाद केवल समय की गणना का नहीं, बल्कि 'गुणवत्ता, सार्थकता और परिपक्वता' का है। कानून कोई यांत्रिक या तकनीकी विषय नहीं जिसे सिर्फ सूत्रों से समझा जा सके; यह समाज, संस्कृति व नैतिकता के ताने-बाने से बुना हुआ है। सफल 'विधिवेत्ता' बनने के लिए छात्र को वे सामाजिक मूल्य आत्मसात करने हेतु पर्याप्त 'मानसिक स्पेस' व समय चाहिये।भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप अनिवार्य रूप से %न्याय की सुलभता% पर केंद्रित होना चाहिए। वर्तमान शिक्षा प्रणाली का बड़ा दोष है कि यह मुख्यतया कॉर्पोरेट घरानों व उच्च न्यायालयों के लिए वकील तैयार करती है। हमें यह ढांचा बदलने की जरूरत है ताकि वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी समान रूप से तैयार किया जा सके। इसके लिए 'लोक अदालत' और 'मध्यस्थता' जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों को पाठ्यक्रम का अनिवार्य और व्यावहारिक हिस्सा बनाना होगा। क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका यहां और भी अहम हो जाती है। उन्हें स्थानीय विधिक समस्याओं, जैसे ग्रामीण भूमि विवाद, पारिवारिक उत्तराधिकार और सामुदायिक न्याय प्रणालियों पर 'क्लीनिकल रिसर्च' को बढ़ावा देना चाहिए। जब तक कानून का छात्र जमीन से नहीं जुड़ेगा, न्याय की वास्तविक अवधारणा को नहीं समझ पाएगा।वैश्विक परिदृश्य में देखें तो कानूनी शिक्षा का ढांचा इस बुनियादी प्रश्न पर टिका है कि इसे 'सामान्य स्नातक' माना जाए या 'विशेषज्ञता वाला पेशा'। भारत में 5-वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम सबसे लोकप्रिय है, जो छात्र को शुरू से ही कानूनी परिवेश में ढाल देता है। इसके उलट, अमेरिका में कानून 'पोस्ट-ग्रैजुएट' शोध विषय है। पश्चिमी देशों में कानून 'अकादमिक अनुसंधान' का विषय है, जबकि भारत में इसे 'व्यावसायिक कौशल' तक सीमित कर देते हैं। विकसित देशों के संस्थान 'विधिक तर्कशीलता' के साथ ही %विषयांतर अनुशासनात्मक% शिक्षा पर बल दे रहे हैं। हमें भी अब कानून को डेटा साइंस, अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान के साथ जोड़कर पढ़ाना होगा। अंतरिक्ष कानून, ऊर्जा कानून और खेल कानून जैसे उभरते क्षेत्रों को अपनाना वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने को अनिवार्य है।मौजूदा दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने विधिक शोध और दस्तावेज लेखन बेहद सरल बना दिया। कानून से जुड़े बुनियादी कार्य मशीनों द्वारा किए जाने की प्रबल संभावना है। चुनौती 'मानवीय विवेक बनाम मशीन' की है। अधिवक्ताओं को 'मशीनी निर्भरता' पर नियंत्रण रखना सीखना होगा। मशीनी एल्गोरिदम जानकारी तो दे सकते हैं, लेकिन उस 'मानवीय अंतर्दृष्टि' और 'व्यावसायिक नैतिकता' का स्थान नहीं ले सकते जो एक जटिल मामले में न्यायपूर्ण निर्णय के लिए जरूरी होती है। इसलिए, पाठ्यक्रम में 'विधिक तकनीक', 'डिजिटल नैतिकता' और 'साइबर सुरक्षा कानून' को अनिवार्य शामिल करना चाहिए। सफल अधिवक्ता वही होगा जो तकनीक को 'गुलाम' की तरह उपयोग करे, न कि उसका गुलाम बन जाए। 'लीगल डिजाइन थिंकिंग' का उपयोग कर कानून की जटिलताओं को सरल बनाकर आम आदमी के लिए सुलभ बना सकते हैं।भारतीय कानूनी जगत की विडंबना है कि न्याय की भाषा आज भी मुख्यत- अंग्रेजी है, जबकि बहुसंख्यक आबादी इस भाषा से अपरिचित है। 'बहुभाषी शिक्षा' और 'कानूनी अनुवाद' को बढ़ावा देना समय की मांग है। वास्तविक विधिक क्रांति तब आएगी जब एक वकील अपनी स्थानीय भाषा में जटिल कानूनों को समझा सके और न्यायालय में पैरवी कर सके। शिक्षा का माध्यम ऐसा हो जो भाषाई बाधाओं को तोड़ कानून की समझ को सर्वव्यापी बनाए। जब तक कानून की पढ़ाई बोझिल और औपनिवेशिक शब्दावली से मुक्त नहीं होगी, तब तक यह समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए 'अनसुलझी पहेली' रहेगी।जैसे मेडिकल छात्र के लिए अस्पताल में बिताया गया समय उसके कैरियर की नींव होता है, वैसे ही लॉ छात्रों के लिए 'लीगल एड क्लीनिक्स' और 'मूट कोर्ट्स' वास्तविक पाठशालाएं हों। छात्रों को वास्तविक मुकदमों, क्लाइंट काउंसलिंग और कानूनी ड्राफ्टिंग का व्यावहारिक अनुभव मिले। पाठ्यक्रम में छात्रों के 'मानसिक स्वास्थ्य' और 'वर्क-लाइफ बैलेंस' पर भी ध्यान दिया जाए। 'एल्गोरिदम की समझ' और 'ऑनलाइन विवाद समाधान' के इस युग में सफलता का मंत्र अब केवल 'किताबी ज्ञान' नहीं, बल्कि 'तकनीकी निपुणता' और 'व्यावहारिक कौशल' का मेल है।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया बनाम बोनी फोई लॉ कॉलेज (2023) के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षा मानकों में सुधार न्यायिक ढांचे के लिए अपरिहार्य है। विश्वविद्यालयों को अब 'वकीलों की फौज' पैदा करने वाली फैक्टरी बनने से रुकना होगा। हमें ऐसे 'नीति निर्माता'।

रेलवे और बैंक के काले कारनामे

आपके मेहनत के करोड़ों रूपये मुफ्त में डकारने का प्लान

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

कहने के लिए तो टिकटों की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए रेलवे ने रिफंड नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब यात्रियों को टिकट कैंसिल कराने पर पहले की तरह पूरा पैसा वापस नहीं मिलेगा, बल्कि समय के हिसाब से रिफंड में कटौती की जाएगी। नए नियमों के अनुसार, अगर कोई यात्री ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 8 घंटे पहले टिकट रद्द करता है, तो उसे किसी भी प्रकार का रिफंड नहीं मिलेगा। अर्थात अगर आपने टिकट ली और अचानक आपको प्रस्थान के दिन कोई आवश्यक काम या घर में आकशमिक दुर्घटना या घटना घटी तो आप टिकट कैंसिल कर अपने पैसे से हाथ धो बैठेंगे भले बाद में रेलवे उसी सीट के लिए तत्काल किसी से डेढ़ गुना ज्यादा क़ीमत लेकर उसे यात्रा करा दे।

कायदे से नियम तो यह होना चाहिए कि ज़ब हम उस सीट की क़ीमत दे दिए है तो गंतव्य तक उस सीट के लिए किसी से कोई पैसा ना लिया जाय। यही हाल बैंक का भी है जहां आपके अकॉउंट से हर महीने चोरी छुपे एसएमएस चार्ज, मेंटेनेंस चार्ज इत्यादि के नाम पर (बिना आपके सहमति के) कुछ पैसे या सौ से कम कुछ रूपये काट लिए जा रहे और आपको भनक तक नहीं लगती और सोचिये की यदि एक व्यक्ति के अकॉउंट से एक माह में 89 रूपये भी कटे और ऐसे एक लाख (न्यूनतम) अकॉउंट है तो 89 लाख रूपये एक लोकल बैंक हर महीने काट रही जो एक बड़ा अमाउंट है और सीधा यह आपकी जेब पर डाका है। इसके लिए अब ग्राहकों को सुप्रीम कोर्ट का रुख करना चाहिए।

इस पूरे मुद्दे पर ज़ब स्थानीय ग्राहकों से जनपद जौनपुर के पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता पंकज सीबी मिश्रा ने बात किया तो बैंक में पैसा जमा करने लोगो ने कहा की अब वो पैसा बैंक में जमा ही नहीं करना चाहते क्यूंकि ये अनचाही कटौती, न्यूनतम

बैलेंस का आदेश और अपने मेहनत का जमा पैसा ही निकालने के लिए कई ङ्क कई घंटे लाईन में लगना बेहद मुश्किल क़ाम हो रहा। इसपर अब ग्राहकों ने पैसा घर पर रखना शुरू कर दिया है।

सवाल यह है कि क्या बैंकिंग एक सेवा है या आम आदमी की जेब खाली करने का जरिया? आखिर क्यों एक आम नागरिक को अपने ही पैसे तक पहुँचने के लिए इतनी रुकावटों और कटौतियों का सामना करना पड़ता है? अब वक्त आ गया है कि इस 'बैंकिंग लूट' के खिलाफ आवाज़ उठाई जाए और नियमों में पारदर्शिता लाई जाए। कनेक्टिविटी की तरह ही, अपने पैसे को सुरक्षित रखना और उसका हिसाब पाना भी एक बुनियादी अधिकार होना चाहिए।

आंकड़े के अनुसार विगत वित्तीय वर्षों में बैंको ने एसएमएस चार्ज और न्यूनतम बैलेंस के नाम पर गरीब की जेब से 19,000 करोड़ की लूट की। बैंक अब गरीबी पर टैक्स वसूल रहे हैं क्यूंकि ये अमीरों का पैसा छू तक नहीं सकते उल्टे उन्हें देते है। आज मैं आपके सामने एक ऐसी सच्चाई रख रहा हूँ जो हर उस गरीब के दिल को चीर देगी, जिसकी जेब से चुपचाप पैसा काटा जा रहा है, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में बैंकों ने सिर्फ़ 'न्यूनतम बैलेंस न रखने' के नाम पर (सोशल मिडिया पर दावों के अनुसार 19,000 करोड़ रुपये वसूल लिए हैं) हाँ, आपने सही सुना 19,000 करोड़ ! सरकारी बैंकों ने 8,000 करोड़, और निजी बैंकों ने 11,000 करोड़ की यह लूट मचाई है, ये पैसा अमीरों का नहीं, बड़े कारोबारियों का नहीं बल्कि उन गरीबों का है जो दिहाड़ी मजदूर हैं, जिनकी रोज की कमाई 300-400 रुपये भी नहीं बच पाती, छोटे किसान हैं, जो फसल बर्बाद होने पर भी बैंक में थोड़ा-सा पैसा रखते हैं सुरक्षा के लिए, बुजुर्ग पेंशनभोगी हैं, जो दवा के लिए निकालते हैं तो चार्ज कट जाता है, गृहिणियाँ हैं, जो घर चलाने के लिए हर पैसा गिन-गिनकर रखती हैं।

उनका जुर्म, बस इतना कि उनके खाते में 'न्यूनतम बैलेंस' पूरा नहीं हुआ। 100 रुपये, 200 रुपये, 500 रुपये का फर्क और बैंक 100 से 600 रुपये तक का पेनल्टी चार्ज काट लेते हैं। एटीएम का एक्स्ट्रा यूज़,चार्ज कटता है यह भी एक स्कैम है। बैंक स्टेटमेंट चाहिए .? चार्ज ! खाता इनएक्टिव ? चार्ज !

ये सब छोटे-छोटे नामों में छिपी हुई लूट है, जो हर महीने गरीब की मेहनत की कमाई को चूसती जाती है। हम 'फाइनेंशियल इन्क्लूजन' की बात करते हैं, लेकिन क्या यह इन्क्लूजन है? नहीं, यह तो गरीबी पर टैक्स है। गरीब बैंक में पैसा इसलिए रखता है ताकि सुरक्षित रहे, चोरी न हो ङ्क लेकिन बैंक उसी सुरक्षा के नाम पर उसकी जेब काट रहे हैं। मैं सरकार से, और आरबीआई से माँग करता हूँ कि गरीबों के पैसे लौटाए जाए और सारे मिनिमम बैलेंस पेनल्टी चार्जेस तुरंत जीरो कर दीजिए । छोटे खातों से कोई भी हिडन चार्ज, फाइन प्रिंट वाली लूट बंद हो।

बैंक अब आम आदमी का खून न चूसें बल्कि उसकी रक्षा करें, उसकी मदद करें। यह आम आदमी की चीख है, न्याय की पुकार है।

मेहनत आपकी, पैसा आपका और खाता भी आपकाज फिर 'सर्विसेज' के नाम पर ये छिपी हुई लूट आखिर क्यों? याद है संसद में राघव चड्ढा ने बैंकों की तानाशाही पर कैसे दहाड़ा था ? उन्होंने एक बुनियादी सवाल पूछा था- ㄣखाता मेरा, पैसा मेरा तो बैंक बिना बताए हर कदम पर चार्जेस क्यों काट रहे हैं?ㄣ आज वही सवाल देश का हर मध्यमवर्गीय और गरीब नागरिक पूछ रहा है।

बात बहुत साफ़ है- अगर बैंक कोई विशेष सुविधा दे रहा है, तो उसका शुल्क समझ आता है।

लेकिन अपना ही पैसा खाते में कम होने पर 'जुर्माना' भरना, अपने ही खाते की स्टेटमेंट माँगने पर पैसे देना और यहाँ तक कि हर बैंक के एसएमएस अलर्ट के लिए अपनी मेहनत की कमाई कटते देखना सरासर नाइंसाफी है। क्या यह विडंबना नहीं है कि जो बैंक बड़े-बड़े उद्योगपतियों के करोड़ों के लोन माफ कर देते हैं, वही बैंक एक गरीब के खाते से 'मिनिमम बैलेंस' न होने पर चंद रुपये वसूलने में जरा भी शर्म महसूस नहीं करते? अमीरों को इन छोटे-छोटे चार्जेस से शायद कोई फर्क न पड़ता हो, लेकिन उस व्यक्ति से पूछिए जिसकी महीने भर की बचत का एक हिस्सा इन 'हिडन चार्जेस' की भेंट चढ़ जाता है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

\- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

छोटे-छोटे खाने के होटल - ढाबो के बंद होने से भोजन की आ रही है समस्याएं

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल उत्तर की एक आकस्मिक बैठक जिला अध्यक्ष सुनील बजाज की अध्यक्षता में हुई। सुनील बजाज ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की दो दिन पूर्व राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश को एक बार पुनः कोरोना जैसी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। हम सब व्यापारी वर्ग प्रधानमंत्री को विश्वास दिलाना चाहते हैं कि किसी भी तरह की परिस्थितियों में व्यापारी वर्ग आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। लेकिन हालत चिंताजनक है प्रधानमंत्री से भी निवेदन है व्यापारियों को इस विषम परिस्थितियों में व्यापारियों का सहयोग करने की अपेक्षा आपसे करते हैं।

जैसा की सबको ज्ञात है निकटवर्ती देशों में जिस तरीके से युद्ध का माहौल दिन पर दिन बढ़ता ही जा रहा है कि सभी देश एक दूसरे के सहयोग से ही अपने देश को सफलतापूर्वक चलाने का प्रयास करते हैं। आयात निर्यात के रिश्तो में कोई देश किसी चीज में मजबूत होता है। आपसी संबंधों एवं व्यापार के आधार पर किसी भी देश की सरकार चलती हैं। परंतु कुछ देश युद्ध को लड़ते हुए कुछ देश सहते हुए कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। छोटे-छोटे व्यापार जिस तरह से बंदी के कगार पर है।

व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हो रहा इस कारण से व्यापारी वर्ग मे चिंता का विषय है। इसी विषय को देखते हुए कानपुर उद्योग व्यापार मंडल उत्तर के महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी ने बताया कि हमारे व्यापार मंडल ने निर्णय किया है सभी विभागों को व्यापारी हितों में सहायता की जाएगी।

उनकी सहायता के लिए चाहे वह बिजली विभाग हो नगर निगम हो और जिला आपूर्ति विभाग हो जीएसटी विभाग को पत्र के माध्यम से व्यापारियों पर इस समय कार्रवाई न करने की मांग करने का पत्र दिया जाएगा।

हालात सामान्य होने पर व्यापारी वर्ग अपना पूरा भुगतान करने के लिए प्रतिबद्ध है इसी के साथ-साथ हम कानपुर उद्योग व्यापार

मंडल उत्तर के सभी पदाधिकारी अपने श्रमिकों और पल्लेदारों के प्रति भी विशेष तौर पर चिंतित हैं। जिन्हें लगातार छोटे-छोटे खाने के होटल -ढाबो के बंद होने से भोजन की समस्याएं आ रही है। अगर यह परिस्थितियों और भी विकट हुई तो कानपुर उद्योग व्यापार मंडल उत्तर की तरफ से घंटाघर चौराहे पर एक किचन चलाकर सभी का पेट भरने का काम करेंगे। जिससे न कोई भूखा होय और ना कोई भूखा सोय।

मुख्य रूप से रामेश्वर गुप्ता, लाला भैया, महेंद्र गुप्ता, शरद गुप्ता, विराट गुप्ता, निखिल गुप्ता, मयंक यादव, संजीव अग्रवाल, सौरभ त्रिवेदी, अमित दोसर, गुलशन जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

गैस कालाबाजारी पर दो बड़ी कार्रवाई ओवररेटिंग और अवैध रिफिलिंग का भंडाफोड़

» कमर्शियल सिलेंडर पर 554 ज्यादा वसूली, गैस एजेंसी व होटल संचालक पर एफआईआर की संस्तुति

» काकादेव में गुमटी से घरेलू गैस की अवैध रिफिलिंग पकड़ी गई, उपकरण और सिलेंडर बरामद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग के खिलाफ चल रहे अभियान में आपूर्ति विभाग ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए ओवररेटिंग और अवैध गैस रिफिलिंग के मामलों का खुलासा किया है। जांच में कमर्शियल गैस सिलेंडरों पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली तथा घरेलू गैस की अवैध रिफिलिंग का मामला सामने आया है। दोनों मामलों में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराने की संस्तुति की गई है। एलपीजी सिलेंडर से जुड़े प्रकरणों में जनपद में अब तक 12 एफआईआर दर्ज किए जा चुके हैं।

पहली कार्रवाई में 25 मार्च 2026 को प्राप्त सूचना पर टीम ने अशोक नगर स्थित बाबा फास्ट फूड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान में कमर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग करते हुए वेज बिरयानी और वेज पराठा बनाते पाए गए। मौके पर कुल तीन कमर्शियल सिलेंडर मिले। पूछताछ में होटल संचालक अशरफ अली ने बताया कि सिलेंडर अशोक नगर स्थित एस.बी. एसोसिएट एजेंसी से खरीदे गए हैं। उनके अनुसार 23 मार्च को एक तथा 25 मार्च को दो सिलेंडर लिए गए, जिनके लिए प्रति सिलेंडर 3500 रुपये का भुगतान किया गया।जांच में उपलब्ध टैक्स इनवॉइस के आधार पर पाया गया कि कमर्शियल सिलेंडर का मूल मूल्य 2496.02 रुपये है, जिस पर 18 प्रतिशत जीएसटी जोड़ने के बाद इसकी वैध कीमत 2945.30 रुपये बनती है। इसके बावजूद प्रति सिलेंडर 3500 रुपये वसूले गए, जिससे प्रत्येक सिलेंडर पर लगभग 554.70 रुपये अधिक वसूली का मामला सामने आया। टीम ने मौके से मिले तीनों कमर्शियल सिलेंडरों को जब्त कर सुरक्षित सुपुर्दगी में दे दिया है। रिपोर्ट में एजेंसी संचालक सचिन मिश्रा और होटल संचालक अशरफ अली के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराने की संस्तुति की गई है।दूसरी कार्रवाई में 24 मार्च 2026 की सुबह लगभग 6ः25 बजे मुखबिर की सूचना पर आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने काकादेव क्षेत्र के तुलसी नगर रोड पर आशु चश्मे वाले के सामने सड़क किनारे बनी गुमटी में छापा मारा। पूर्ति निरीक्षक अनवरगंज अभिषेक कुमार की आख्या के अनुसार मौके पर समर पुत्र स्वर्गीय मुश्ताक निवासी रोशन नगर, राम विहार द्वारा नॉन-आईएसआई मार्क के छोटे सिलेंडरों में घरेलू एलपीजी की अवैध रिफिलिंग करते हुए पाया गया।जांच के दौरान मौके से एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा (30 किलोग्राम क्षमता), नौ पुराने नॉन-आईएसआई सिलेंडर, एक आंशिक भरा सिलेंडर तथा गैस रिफिलिंग के लिए प्रयुक्त रेगुलेटर और पतली पाइप बरामद की गई। आरोपी से सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। बरामद सामग्री को दीप गैस एजेंसी, कानपुर नगर को सुपुर्द कर दिया गया है तथा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत एफआईआर दर्ज कराने की संस्तुति की गई है।

जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि जनपद में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, ओवररेटिंग और अवैध रिफिलिंग के विरुद्ध लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने या गैस की अवैध रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कानपुर बन रहा यूपी का नया 'टूरिज्म हब' बिठूर की पावन धरा से घाटमपुर तक, हर तरफ दिख रहा विकास कार्य

कुष्माण्डा देवी से खेरेश्वर धाम तक बदल गई मंदिरों की तस्वीर करीब 184 लाख रुपये से होगा पनकी हनुमान मंदिर के बाहरी भाग का सुंदरीकरण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश के पौराणिक और धार्मिक स्थलों को संवारने के अपने संकल्प को जमीन पर उतार रही है। इसी कड़ी में कानपुर के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के दिन बहुरने लगे हैं। कभी उपेक्षा का शिकार रहे बिठूर से लेकर घाटमपुर और बिल्हौर के प्राचीन मंदिरों तक, अब विकास की चमक साफ दिखाई दे रही है। मेस्कर घाट पर निर्मित आकर्षक गजीबो अब पर्यटकों के लिए सेल्फी पॉइंट और विश्राम का मुख्य केंद्र बन रहे हैं।

क्रांति और अध्यात्म की धरती बिठूर अब एक नए रूप में पर्यटकों का स्वागत कर रही है। करीब 75 लाख रुपये की लागत से यहाँ घाटों की नींव मजबूत करने, आरसीसी रैंप बनाने, फ्लोरिंग और शानदार म्यूरल आर्ट (भित्ति चित्र) उकेरने का काम किया गया है। रात के समय हाईमास्ट लाइटों की रोशनी में गंगा का तट अब और भी भव्य नजर आता है। शिव मंदिर और हनुमान मंदिर में फसाड लाइटिंग आकर्षण का केंद्र है।

गजीबो है आकर्षण का केंद्र

शहर के मेस्कर घाट की तस्वीर भी अब बदल गई है। मेस्कर घाट पर निर्मित आकर्षक गजीबो अब पर्यटकों के लिए सेल्फी पॉइंट और विश्राम का मुख्य केंद्र बन रहे हैं। इतना ही नहीं, 93.24 लाख रुपये के बजट से यहाँ पर्यटकों के लिए शेल्टर, चेंजिंग रूम, सैंड स्टोन फ्लोरिंग और एक भव्य 'वेलकम गेट' तैयार किया गया है। इससे गंगा दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अब एक बेहतर अनुभव मिल रहा है।

पनकी हनुमान मंदिर का होगा सुंदरीकरण

पनकी हनुमान मंदिर के बाहरी भाग का सुंदरीकरण करीब 184 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। इसके लिए पूरा प्रारूप तैयार का लिया गया है। बजट स्वीकृत हो गया है। वहीं,कल्याणपुर के उजियारी देवी मंदिर में ?115.98 लाख से यात्री विश्राम हॉल, सीसी रोड, शौचालय, बाउंड्री वॉल और हाईमास्ट लाइट लगाई गई है। अकबरपुर के राम-सीता मंदिर में ?44.49 लाख से सीसी टाइल्स और बाउंड्री बनाई गई है। कुडनी के हनुमान मंदिर में ?95.77 लाख से हॉल, शौचालय, इंटरलॉकिंग, सोलर लाइट और लैंडस्केपिंग का काम किया गया है।

घाटमपुर के कुष्मांड देवी मंदिर में ?90.63 लाख से यात्री हॉल, इंटरलॉकिंग और सोलर लाइट का काम हुआ है, वहीं मां भद्रकाली मंदिर में ?98.65 लाख से विश्राम गृह, शौचालय, सोलर लाइट और साइनेज लगाए गए हैं।

अन्य प्रमुख विकास कार्य

इसी तरह सोमनाथ मंदिर में ?79.34 लाख से ओपन हॉल, बाउंड्री वॉल, गेट और हरियाली विकसित की गई है। बिल्हौर के खेरेश्वर शिव मंदिर में ?134.69 लाख से यात्री हॉल, आरओ वाटर कूलर, पत्थर के बेंच तैयार किए गए हैं। रावल देवी मंदिर और तालाब पर ?104.74 लाख से विश्राम गृह, शौचालय, सोलर लाइट और हॉर्टिकल्चर का काम हुआ है, जबकि बाराही देवी मंदिर में ?111.96 लाख से यात्री सुविधाएं, इंटरलॉकिंग और साइनेज लगाए गए हैं।3 साल में पर्यटकों की संख्या दोगुनी बढ़ी कानपुर में पर्यटन की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, जिसका प्रमाण पिछले तीन वर्षों के आंकड़े दे रहे हैं। साल 2023 में कुल 28.19 लाख भारतीय और 3,756 विदेशी पर्यटक आए, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 42.64 लाख भारतीय और 4,334 विदेशी सैलानी हो गई। साल 2025 में विकास कार्यों के दम पर रिकॉर्ड 66.98 लाख भारतीय और 3,931 विदेशी पर्यटकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।सरकार की योजना के मुताबिक, कानपुर के सभी खास मंदिरों और ऐतिहासिक जगहों को बेहतर बनाया जा रहा है। बिठूर और घाटमपुर जैसी जगहों पर सुविधाएं बढ़ने से न सिर्फ पर्यटक बढ़े हैं, बल्कि स्थानीय लोगों को भी फायदा हो रहा है।कानपुर नगर को पर्यटन के मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाना हमारी प्राथमिकता है। शासन के निर्देशानुसार बिठूर से लेकर घाटमपुर और बिल्हौर तक के सभी प्रमुख पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों का कायाकल्प किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचा सुधारना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है। कानपुर अब औद्योगिक नगरी के साथ-साथ एक प्रमुख 'टूरिज्म हब' के रूप में उभर रहा है।

बिना पंजीकरण चल रहा गौरव मेडिकल सेंटर, किया गया सीज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। तहसील नर्वल क्षेत्र में बिना पंजीकरण संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में शनिवार को साढ़ क्षेत्र में संचालित गौरव मेडिकल सेंटर का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें गंभीर अनियमितताएं मिलने पर उसे तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। कार्रवाई उपजिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस टीम की मौजूदगी में की गई।

निरीक्षण के दौरान मेडिकल सेंटर पर संचालनकर्ता गौरव मौजूद मिले, जबकि अस्पताल में कोई चिकित्सक या अन्य स्टाफ मौजूद नहीं था। पूछताछ में गौरव ने स्वयं को फार्मासिस्ट बताया, लेकिन अस्पताल के संचालन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि उक्त मेडिकल सेंटर न तो अस्पताल के रूप में पंजीकृत था और न ही मेडिकल स्टोर का लाइसेंस लिया गया था। जबकि मौके पर मरीजों को भर्ती कर ईलाज करने तथा मेडिकल स्टोर संचालन के पुष्ट साक्ष्य मिले।

जांच के दौरान अस्पताल में किसी भी पंजीकृत डॉक्टर की तैनाती नहीं पाई गई। प्रशासनिक टीम ने मौके पर अभिलेखों और व्यवस्थाओं की जांच की, जिसमें बिना वैध अनुमति के चिकित्सा गतिविधियां संचालित किए जाने की आशंका सामने आई। मरीजों की सुरक्षा को देखते हुए इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए तत्काल कार्रवाई की गई।

उपजिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा ने बताया कि बिना पंजीकरण के किसी भी अस्पताल या चिकित्सा संस्थान का संचालन नियमों के विरुद्ध है और इससे आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ होता है। ऐसे संस्थानों के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और अनियमितता पाए जाने पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

1 अप्रैल से शुरू होगा स्कूल चलो अभियान एक भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे - सीडीओ

जन्म प्रमाण पत्र या आधार कार्ड न होने पर किसी भी बच्चे को प्रवेश से वंचित नहीं किया जाए

कानपुर। जनपद में शत-प्रतिशत नामांकन के लक्ष्य के साथ 1 अप्रैल से स्कूल चलो अभियान शुरू किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई, जिसमें सभी संबंधित विभागों को गांव-गांव विशेष अभियान चलाकर हर बच्चे को विद्यालय से जोड़ने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी कहा गया कि प्रतिदिन होने वाले नामांकन की रिपोर्ट जनपद स्तर पर अनिवार्य रूप से साझा की जाए, जिससे अभियान की नियमित समीक्षा की जा सके।

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी, पंचायती राज और श्रम विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ग्राम स्तर पर घर-घर संपर्क स्थापित कर ऐसे बच्चों की पहचान की जाए

जो अभी तक विद्यालय से बाहर हैं। छह वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी बच्चों का कक्षा एक में प्रवेश सुनिश्चित कराया जाए और इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य है कि जनपद का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और प्रत्येक पात्र बच्चे का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने आमजन से भी अनुरोध किया कि यदि किसी को अपने आसपास कोई बच्चा स्कूली शिक्षा से वंचित दिखे तो उसका दाखिला निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय में अवश्य कराएं। इस अभियान की सफलता के लिए जन भागीदारी आवश्यक है।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि कक्षा पांच उत्तीर्ण बच्चों का कक्षा छह तथा कक्षा आठ उत्तीर्ण बच्चों का कक्षा नौ में नामांकन सुनिश्चित कराया जाए। गांवों में परिवार सर्वेक्षण कर ऐसे बच्चों की सूची तैयार की जाएगी जो विद्यालय से बाहर हैं। झुग्गी-झोपड़ियों, ईंट भट्ठों और श्रमिक परिवारों के बच्चों को विशेष अभियान चलाकर विद्यालय से जोड़ा जाएगा। श्रम विभाग को दस हजार बच्चों के नामांकन का लक्ष्य दिया गया है।

मुख्य चिकित्साधिकारी हरिदत्त नेमी ने कहा कि विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और पोषण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रवेश के समय जन्म प्रमाण पत्र या आधार कार्ड न होने की स्थिति में किसी भी बच्चे को प्रवेश से वंचित नहीं किया जाएगा। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत विद्यालय और विकासखंड स्तर पर रैलियां, एसएमसी बैठकें और जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला दिव्यांगजन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित सभी खंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत सरकार भगत सिंह को शहीद घोषित करते हुए दे भारत रत्न - पं रवीन्द्र शर्मा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अधिवक्ता कल्याण संघर्ष समित ने भगत सिंह का शहीदी दिवस कचहरी परिसर स्थित संघर्ष समित कार्यालय में मनाया। इस मौके पर संघर्ष समिति संयोजक पं रवीन्द्र शर्मा ने शहीदे आजम भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि भारत की आजादी के लिए अल्पायु में ही फांसी के फंदे को चूमने वाले भगत सिंह के अद्वितीय बलिदान को हमारा देश और देशवासी हमेशा याद रखेंगे। उनके आदर्शों और सिद्धांतों पर चलकर ही हम समाज को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा सकते हैं।

हमारा सभी से आवाहन है की भगत सिंह के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलें। भगत सिंह के अद्वितीय बलिदान को देखते हुए हमारी मांग है कि शहीद ए

आजम भगत सिंह को शहीद घोषित करते हुए भारत रत्न दे भारत सरकार। इसके उपरांत अधिवक्ताओं ने शहीदे आजम भगत सिंह अमर रहे अमर रहे

भगत सिंह को शहीद घोषित करो घोषित करो, भगत सिंह को भारत रत्न दो भारत रत्न दो आदि नारे लगाते हुए सभी ने भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि कर उनको श्रद्धांजली देते हुए शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले। वतन पे मरने वालों का यही बाकी निशा होगा गीत गाया।

प्रमुख रूप से शरद मिश्रा, सरदार मोहन जीत सिंह, गंभीर, संजीव कपूर, अनिल पांडे, संग्राम सिंह, आयुष शुक्ला, दानिश कुरेशी, अज्जू मिश्रा, हिमांशु यादव, चैतन्य जायसवाल, कुलदीप यादव, प्रियम जोशी, राहुल शर्मा, वीर जोशी, शिवम गंगवार, अमरदीप वर्मा, शुभम जोशी आदि रहे।

नौबस्ता चौराहा पर यातायातअतिक्रमण के चलते चला अभियान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में नौबस्ता चौराहा पर यातायात दबाव, अवैध ऑटो/ई-रिक्शा स्टैंड एवं अतिक्रमण की समस्या के दृष्टिगत एडीसीपी यातायात कपिल देव सिंह, आरटीओ विभाग तथा मेट्रो विभाग के अधिकारीयों द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान कार्यवाही सुनिश्चित कराए जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया–

चौराहा पर यातायात सिग्नल प्रणाली को शीघ्र प्रारंभ कर प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे जाम की समस्या में कमी लाई जा सके।

स्लिप-वे पर अनधिकृत प्रवेश एवं अव्यवस्था को नियंत्रित करने हेतु बैरिकेटिंग लगाई जाए। ऑटो, टेंपो एवं ई-रिक्शा के अवैध ठहराव को समाप्त करने के लिए उनके लिए निर्धारित स्थान चिन्हित कर नगर निगम के द्वारा स्टैंड निर्धारित किये जाए।यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों, विशेषकर ओवरलोडिंग एवं अवैध पार्किंग करने वालों के विरुद्ध सघन प्रवर्तनात्मक कार्यवाही की जाए। चौराहा पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए।

इसके अतिरिक्त, सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण हटवाने एवं यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनायें रखने हेतु सम्बन्धित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। साथ ही मौके पर ही 58 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही की गई। संयुक्त अभियान के दौरान एसीपी नौबस्ता, थाना प्रभारी नौबस्ता एवं हनुमंत विहार, यातायात निरीक्षक दक्षिण जोन(द्वितीय) उपस्थित रहे।

दो छात्रों को पिकअप ने रौंदा, एक की मौत और दूसरा घायल, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। झींझक के नीमझाल के पास पिकअप की टक्कर से मोपेड सवार छात्र की मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कानपुर देहात में झींझक नगर के नीमझाल के पास तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से मोपेड सवार दो इंटर के छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी झींझक पहुंचाया। यहां पर डॉक्टर शिरोमणि सिंह ने एक छात्र को मृत घोषित कर दिया।मंगलपुर थाना क्षेत्र के खानपुर रोड नेहरू नगर झींझक निवासी अंश सिंह(18) पुत्र बलराम सिंह शुक्रवार दोपहर पौने दो बजे के करीब साथी कृष्णा गुप्ता(18) पुत्र गणेश शंकर निवासी भोलानगर झींझक के साथ किसी काम से मोपेड पर सवार होकर झींझक बाजार आ रहे थे।

हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए

नीमझाल पुलिया के पास पहुंचने पर पीछे से आई तेज रफ्तार पिकअप ने मोपेड में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से सीएचसी झींझक पहुंचाया। वहां डॉ. शिरोमणि सिंह ने अंश सिंह की मृत घोषित कर दिया।

तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज होगी

बेटे की मौत की जानकारी पर पहुंची मां कंचन देवी बिलखती रही। मां ने बताया कि बेटा इंटर का छात्र था। थानाध्यक्ष महेश दुबे ने बताया कि घायल को मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

रिफाइंड और मैदे ने बिगाड़ा बजट, आज से महंगी मिलेगी नमकीन, 20 रुपये प्रति किलो बढ़े दाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रिफाइंड तेल और कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के चलते कानपुर नमकीन निर्माता एसोसिएशन ने नमकीन के दाम 20 किलो बढ़ा दिए हैं, जो 27 मार्च यानि आज से लागू हो गए हैं।

कानपुर में अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध के बीच गुरुवार को शहर में सभी तरह की नमकीन 20 रुपये प्रति किलो महंगी हो गई है। बढ़े दाम 20 किलो की पैकिंग पर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। मैदा से बनने वाले सभी प्रकार के नमकीन उत्पादों की नई दरें 27 मार्च से लागू हो जाएंगी। यह एलान कानपुर नमकीन निर्माता एसोसिएशन ने किया।

बताया कि रिफाइंड, मैदा, मसालों, पैकिंग मैटेरियल के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि और कुकिंग गैस की किल्लत के बीच दाम बढ़ाने का फैसला लेना पड़ा। कानपुर नमकीन निर्माता एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल त्रिपाठी ने बताया कि रिफाइंड तेल की कीमतों में प्रति किलो 27 रुपये की वृद्धि हुई है। 2700 रुपये में मिलने वाला रिफाइंड तेल (20 किलो पैकिंग) गुरुवार को 2727 को मिलने लगा।

27 मार्च से लागू होगी व्यवस्था

यह वृद्धि विशेष रूप से उन सभी नमकीन उत्पादों को प्रभावित करेगी जो मैदा से बनाए जाते हैं। इस मूल्य वृद्धि का सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ने की आशंका है क्योंकि निर्माताओं को लागत की भरपाई के लिए कीमतों में इजाफा करना पड़ रहा है। एसोसिएशन की तरफ से जारी की गई सूची के में विभिन्न नमकीन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की गई है। यह व्यवस्था 27 मार्च से लागू होगी।

मंत्री असीम अरुण को 45 मिनट कराया इंतजार, डीएम-एसपी के खिलाफ सड़क पर बैठे भाजपाई, बढ़ा विवाद

» एक घंटे तक चलता रहा प्रदर्शन

» अफसरों को अपने रवैये में सुधार की जरूरत

» डीएम से माफी मांगने की मांग पर अड़े

बीपीएस न्यूज

कन्नौज । कन्नौज में एक सरकारी कार्यक्रम में अधिकारियों की अनुपस्थिति से नाराज मंत्री असीम अरुण के समर्थन में भाजपाइयों ने जाम लगाया। कार्यकर्ता प्रशासन की निरंकुशता का आरोप लगाते हुए डीएम से माफी की मांग कर रहे हैं। कन्नौज जिले के रोमा स्मारक पर गुरुवार की शाम जिला प्रशासन की ओर से अपनी जड़ों को खोजें कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यूपी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम साढ़े पांच बजे से शुरू होना था, जिसमें समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने समय से पहुंच गए। कार्यक्रम स्थल पर वह 45 मिनट तक अधिकारियों के आने का इंतजार करते रहे।

इसके बाद उनका सब्र जवाब दे गया और वह नाराज होकर अपनी पत्नी ज्योत्स्ना और पार्टी नेताओं के साथ वहां चले गए। हालांकि बाद में अधिकारियों ने किसी तरह कार्यक्रम शुरू कराया और औपचारिकताओं में कार्यक्रम कराया गया। मंत्री के अपमान पर शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ता भड़क गए। शहर के मकरंदनगर तिराहे पर रोड जाम कर प्रदर्शन किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं का हुजूम निहाल वर्मा की अगुवाई में मकरंदनगर तिराहे पर पहुंचा। यहां सड़क पर बैठकर भाजपाइयों ने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। डीएम-एसपी और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब एक घंटे तक यहां प्रदर्शन चलता रहा। इसकी सूचना मिलने पर सीओ अभिषेक प्रताप अजेय और प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ वहां पहुंच गए और समझा बुझाकर किसी तरह भाजपाइयों को शांत कराया।

इसके बाद किसी तरह जाम खुल सका। प्रदर्शन कर रहे निहाल वर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन पूरी तरह से निरंकुश हो चुका है। यूपी सरकार के राज्यमंत्री असीम अरुण का रोमा स्मारक पर अपमान हुआ। जिसे हम सब पार्टी कार्यकर्ता किसी कीमत पर बर्दाश्त नही करेंगे। भाजपा नेत्री संध्या शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर मंत्री असीम अरुण और उनकी पत्नी ज्योत्स्ना का न तो किसी तरह का स्वागत हुआ और न ही कोई अधिकारी वहां मौजूद था। मंत्री के इस अपमान के खिलाफ कार्यकर्ताओं में रोष है। अफसरों को अपने रवैये में सुधार की जरूरत है।

भाजपाइयों के धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ता डीएम-एसपी और जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। कार्यकर्ता डीएम के माफी मांगने की जिद पर अड़े रहे।

कमला क्लब की लीज हुई खत्म, उन्नाव में बनेगा यूपीसीए का नया क्रिकेट सेंटर मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस होगा नया स्टेडियम

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कमला क्लब की लीज समाप्त होने के चलते उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) अब कानपुर की जगह उन्नाव में अपनी क्रिकेट गतिविधियों का केंद्र तैयार कर रहा है। उन्नाव के मुर्तजा नगर क्षेत्र में स्थित एसोसिएशन की जमीन पर नए स्टेडियम का निर्माण शुरू हो चुका है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी सत्र के ट्रायल भी इसी नए स्थल पर आयोजित होंगे। इसे बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। कमला क्लब की लीज खत्म होने के बाद यूपीसीए को परिसर खाली करना पड़ रहा है, जिसके चलते एसोसिएशन अब अपनी लगभग 13 हेक्टेयर जमीन को विकसित करने में जुट गया है। सूत्रों के अनुसार वर्तमान में कमला क्लब में संचालित यूपीसीए मुख्यालय को भी स्थानांतरित किया जा सकता है। चर्चा है कि इसे कमलानगर स्थित पुराने कार्यालय में शिफ्ट किया जाएगा, हालांकि इस पर अभी आधिकारिक निर्णय होना बाकी है। वर्ष 1928 से बीसीसीआई से संबद्ध यूपीसीए लंबे समय तक कमला क्लब और ग्रीनपार्क स्टेडियम में क्रिकेट गतिविधियों का संचालन करता आ रहा है।जेके समूह की ओर से उपलब्ध कराए गए कमला क्लब परिसर ने दशकों तक प्रदेश क्रिकेट को दिशा दी। अब इस परिसर में होटल निर्माण की योजना के चलते यूपीसीए को नई राह चुननी पड़ी है। इसी क्रम में यूपीसीए सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने उन्नाव के जिलाधिकारी गौरांग राठी से संपर्क कर आवश्यक प्रशासनिक सहयोग सुनिश्चित किया, जिसके बाद निर्माण कार्य तेज कर दिया गया है। पिच क्यूरेटर भूपेंद्र की देखरेख में मैदान और पिच तैयार किए जा रहे हैं।

यूपी टी-20 लीग के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने बताया कि उन्नाव में बन रहा नया केंद्र खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस होगा। यहां विशेषज्ञ कोच, फिजियो और ट्रेनिंग स्टाफ उपलब्ध रहेगा। चोटिल खिलाड़ियों के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर भी बनाया जाएगा। परिसर में लाल और काली मिट्टी की पिच, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं और लगभग 150 खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था होगी।

कमला क्लब की लीज समाप्त होने के बाद उन्नाव में स्टेडियम निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। जल्द ही यह नया केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस एक प्रमुख हब के रूप में विकसित होगा, हालांकि इसे पूर्ण रूप से तैयार होने में अभी समय लगेगा।

तुम अपनी जिंदगी में खुश रहना, कहकर नवविवाहिता ने दी जान, पति से विवाद के बाद उठाया कदम, जांच शुरू

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर में प्रेम विवाह करने वाली महिला ने पति से विवाद के बाद सुसाइड कर लिया। मरने से पहले उसने पति को फोन कर खुश रहने की बात कही थी।

कानपुर में कल्याणपुर थानाक्षेत्र में गुरुवार सुबह पति से विवाद के बाद नवविवाहिता ने फंदा लगाकर जान दे दी। परिजन ने बताया कि मूलरूप से सिकंदरा निवासी लक्ष्मी (26) मोहित कटियार के साथ प्रेम विवाह किया था। आठ मार्च को कल्याणपुर में किराए पर रहने आए थे। गुरुवार सुबह करीब सात बजे पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई।विवाद के बाद मोहित काम पर चले गए। करीब तीन घंटे बाद 10 बजे लक्ष्मी ने मोहित को फोन किया। कहा मैं जान देने जा रही हूं, तुम अपनी जिंदगी में खुश रहना। इसके बाद उसने फोन काट दिया। पत्नी की बात सुनकर मोहित ने तुरंत पड़ोसी पूजा को फोन किया।पड़ोसी महिला मौके पर पहुंची तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से झांककर देखने पर लक्ष्मी का शव फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कल्याणपुर थानाप्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि परिजन तहरीर देते हैं, तो जांच कर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

पूर्व भाजपा विधायक रघुनंदन भदौरिया के शोरूम में चोरी,सीसी कैमरे में कैद हुई वारदात

बीपीएस न्यूज

कानपुर । हनुमंत विहार के हमीरपुर रोड पर पूर्व भाजपा विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया के शोरूम में देर रात चोरी हुई। चोर सीसीटीवी में गल्ला खंगालते हुए कैद हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कानपुर के हनुमंत विहार थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने पूर्व भाजपा विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया के शोरूम को अपना निशाना बनाया है। चोरों ने देर रात शोरूम में घुसकर नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसमें एक चोर चोरी करता दिखाई दे रहा है।

घटना हमीरपुर रोड स्थित शोरूम की है। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि चोर ने देर रात शोरूम के अंदर प्रवेश किया। वह काउंटर के पास पहुंचकर टेबल के गल्ले को खंगालता नजर आ रहा है।

चोर ने ड्रॉर में रखी नकदी को समेटा और मौके से फरार हो गया। सुबह जब शोरूम खुला और सामान बिखरा मिला, तब चोरी की जानकारी हुई।

सीसीटीवी से सुराग की तलाश

सूचना मिलते ही हनुमंत विहार पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इलाके के अन्य कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। जल्द ही शातिर को गिरफ्तार किया जाएगा।

लोडर से कुचलकर बुजुर्ग की मौत, गुस्साई भीड़ ने चालक और भाई को उतारा मौत के घाट, गांव में पीएसी तैनात

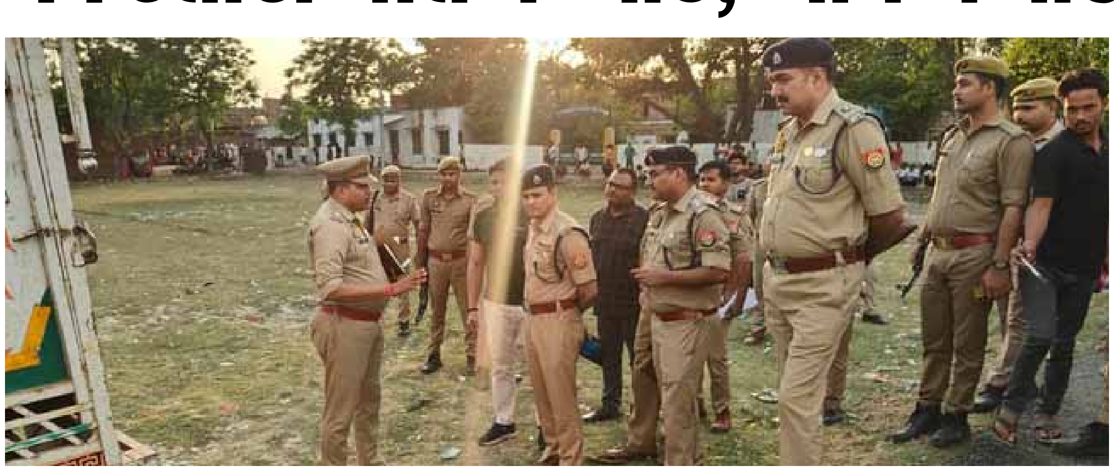

बीपीएस न्यूज

हरदोई । हरदोई के सुरसा में लोडर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत के बाद ग्रामीणों ने चालक और उसके भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी। गांव में भारी पुलिस बल तैनात है और आरोपियों की तलाश जारी है।

हरदोई जिले में सुरसा थाना क्षेत्र के ढोलिया गांव में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। इससे गुस्साए बुजुर्ग के परिजन और ग्रामीणों ने गांव निवासी ही लोडर चालक और उसके भाई को पीट दिया।

इसमें चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि भाई को मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित कर दिया गया।तीन मौतों की खबर से सनसनी फैल गई। पुलिस अधिकारी मौके पर हैं। फॉरेंसिक टीम ने नमूना जुटाए हैं। गांव में स्थिति तनावपूर्ण देखते हुए पीएसी तैनात की गई है। ढोलिया गांव निवासी शिवम (30) शुक्रवार की शाम करीब 4.42 बजे लोडर से गांव के ही प्राइमरी स्कूल के पास से जा रहे थे।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर गांव निवासी देव सहाय पांडे (70) की कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से मृतक के परिजन और ग्रामीण आक्रोशित और हिसांत्मक हो गए। इन लोगों ने लाठी-डंडों से लोडर चालक शिवम और उसके भाई अमन (18) पर हमला कर दिया।

एक की मौके पर मौत, दूसरे की हालत गंभीरहमले में शिवम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अमन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरसा लाया गया और हालत नाजुक होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने अमन को मृत घोषित कर दिया।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश

तीन मौतों की जानकारी पर एसपी एके मीणा, एएसपी एमपी सिंह, सीओ सिटी अंकित मिश्रा और थाना प्रभारी सुरसा सहित कई थानों की पुलिस फोर्स ढोलिया पहुंच गई। एसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

हिस्ट्रीशीर ने प्लाट पर निर्माण के बदले मांगी 10 लाख की रंगदारी, मुकदमा दर्ज

कानपुर। कानपुर के बर्रा में हिस्ट्रीशीटर व पूर्व पार्षद विष्णु कुमार यादव उर्फ पंगु यादव के खिलाफ 10 लाख की रंगदारी मांगने का एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर के आदेश पर हुई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आरोप है कि आरोपियों ने प्लाट पर निर्माण कराने के लिए रगंदारी मांगी थी और सीमेंट व सरिया आदि सामान भी गायब कर दिया। इससे पूर्व 14 मार्च को रतनलाल नगर निवासी अभिषेक उर्फ राहुल सक्सेना ने हिस्ट्रीशीटर समेत 11 लोगों के खिलाफ रंगदारी मांगने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी।गुजैनी के आई ब्लाक निवासी चंद्रपाल पांडेय ने बताया कि उन्होंने बेटे आनंद के नाम पर बर्रा-छह में केडीए से एक प्लाट खरीदा था। केडीए ने 12 मार्च को प्लाट पर कब्जा दिया। इसके बाद उन्होंने बाउंड्री बनवाने और गेट लगवाने का काम शुरू कराया। चंद्रपाल का आरोप है कि प्लाट पर निर्माण शुरू होते ही विष्णु कुमार यादव उर्फ पंगु यादव, शिवा और सुरेश यादव अपने साथियों को लेकर प्लाट पर पहुंचे और निर्माण रुकवा दिया। गाली-गलौज कर धमकी दी। आरोपियों ने प्लाट पर निर्माण कराने के बदले में 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। जबकि पहले ही एक लाख रुपये ले चुके हैं। रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी दी।

ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले 6 अप्रैल तक टाला ईरान ने अपनी टीमों को शत्रु देशों की यात्रा करने से प्रतिबंधित किया

अवीव में भी जोरदार धमाकों की खबरें सामने आई

» बीपीएस न्यूज

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ढांचे पर संभावित सैन्य हमलों को 10 दिन के लिए टाल दिया है। अब यह समयसीमा बढ़ाकर 6 अप्रैल 2026 कर दी गई है। पहले यह डेडलाइन शुक्रवार को समाप्त होनी थी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि ईरान सरकार के अनुरोध पर यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने लिखा कि ऊर्जा संयंत्रों पर हमले की अवधि को 10 दिन के लिए रोका जा रहा है, बातचीत अच्छी दिशा में आगे बढ़ रही है।

अमेरिकी मीडिया समूह फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ईरान को 10 दिन का समय दिया, जबकि ईरान की ओर से 7 दिन की मांग की गई थी।

अमेरिका और ईरान के बीच इस समय शांति समझौते को लेकर बातचीत जारी है। दोनों देश खाड़ी क्षेत्र में भविष्य के नियम तय करने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर स्ट्रेट आफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को लेकर। हालांकि ट्रंप ने दावा किया कि ÷एक तरह से हम युद्ध जीत चुके हैं,÷ लेकिन दूसरी ओर क्षेत्र में तनाव अभी भी बरकरार है।

सैन्य तैयारी और धमकियां

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विभाग ने कांग्रेस की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को संभावित जमीनी सैनिकों की तैनाती पर जानकारी दी है। इससे पहले ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि यदि शांति वार्ता में गंभीरता नहीं दिखाई गई, तो वरिष्ठ अधिकारियों पर हमले और तेज किए जा सकते हैं।

इस्राइल-ईरान टकराव तेज

इस्राइल ने दावा किया है कि उसने बंदर अब्बास में हमले में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के नौसैनिक कमांडर अलीरेजा तांगसिरी को मार गिराया। वहीं ईरान ने ट्रंप के इस दावे को खारिज किया है कि वह समझौते के लिए ÷मिन्नतें÷ कर रहा है। ईरान ने मिडिल ईस्ट के कई हिस्सों में जवाबी हमले भी जारी रखे हैं। इसी बीच, तेल अवीव में भी जोरदार धमाकों की खबरें सामने आई हैं, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। ईरान ने अपनी खेल टीमों को उन देशों की यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया है जिन्हें वह शत्रु मानता है। ईरान के सरकारी टीवी ने सऊदी अरब में उनके देश के फुटबॉल क्लब ट्रैक्टर एफसी के निर्धारित मैच से पहले गुरुवार को यह जानकारी दी। तेहरान में ईरान के खेल मंत्रालय द्वारा घोषित प्रतिबंध में विश्व कप फुटबॉल का कोई जिक्र नहीं किया गया है जो 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में शुरू हो रहा है। मंत्रालय के बयान में दुबई के शबाब अल अहली के खिलाफ सऊदी अरब में होने वाले ट्रैक्टर एफसी के मैच का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। यह एशियाई चैंपियंस लीग एलीट का प्लेऑफ मैच है। बयान के अनुसार, जिन देशों को शत्रु माना जाता है और जो ईरान के खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं, उन देशों में राष्ट्रीय और क्लब टीमों की उपस्थिति की अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगी। एशियाई फुटबाल परिसंघ ने बुधवार को प्लेऑफ के ड्रॉ निर्धारित किए थे जिसके अनुसार इन मैच का आयोजन 13 और 14 अप्रैल को सऊदी अरब के जेद्दा में होना है। इनमें ईरान के क्लब ट्रैक्टर एफसी का मैच भी शामिल था। ईरान को पश्चिम एशिया में युद्ध विराम के लिए अमेरिका का एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। ईरान को यह प्रस्ताव ऐसे समय भेजा गया है, जब वाशिंगटन पश्चिम एशिया में पैराट्रूपर्स और मरीन सैनिकों की तैनाती बढ़ा रहा है। तेहरान ने प्रस्ताव प्राप्त होने की पुष्टि नहीं की और सार्वजनिक रूप से इस राजनयिक प्रयास को खारिज करते हुए इजराइल और खाड़ी अरब देशों पर हमले जारी रखे। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई।

सीजफायर ऑफर के बावजूद ईरान के हमले जारी

» कुवैत एयरपोर्ट पर आग, मिसाइल अटैक से दहला खाड़ी क्षेत्र

» बीपीएस न्यूज

दुबई। ईरान को पश्चिम एशिया में युद्ध विराम के लिए अमेरिका का एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। ईरान को यह प्रस्ताव ऐसे समय भेजा गया है, जब वाशिंगटन पश्चिम एशिया में पैराट्रूपर्स और मरीन सैनिकों की तैनाती बढ़ा रहा है। तेहरान ने प्रस्ताव प्राप्त होने की पुष्टि नहीं की और सार्वजनिक रूप से इस राजनयिक प्रयास को खारिज करते हुए इजराइल और खाड़ी अरब देशों पर हमले जारी रखे। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। इस बीच ईरान पर भी हमले जारी रहे।ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है। होर्मुज एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जिसके माध्यम से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल का निर्यात होता है। मध्यस्थता प्रयासों में शामिल मिस्र के एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव में सशस्त्र समूहों को ईरान के समर्थन पर प्रतिबंध शामिल हैं। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर जानकारी साझा की। इनमें से कुछ मुद्दे युद्ध से पहले की बातचीत में विचारणीय थे। ईरान ने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम या उन क्षेत्रीय सशस्त्र समूहों को दिए जाने वाले समर्थन को लेकर कोई चर्चा नहीं करेगा, जिसे वह अपनी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानता है।होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन पर नियंत्रण रखने की ईरान की क्षमता उसके सबसे बड़े सामरिक प्रभावों में से एक है। होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय नौवहन को बाधित कर दिया है, जिसके कारण ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो गया है।

अमेरिका-ईरान संकट पर अनिश्चितता से बाजार में चिंता

सेंसेक्स 1690 अंक टूटा, निफ्टी 22819 पर बंद

मुम्बई। वैश्विक बाजारों से कमजोर रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के अंतिम ट्रेडिंग सेशन यानी शुक्रवार (27 मार्च) को बड़ी गिरावट में बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इंडेक्स हैवीवेट एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली ने भी बाजार को नीचे खींचा। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से डॉलर के मुकाबले रुपये में भारी गिरावट का बाजार के सेंटीमेंट्स पर नेगेटिव असर पड़ा।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 500 से ज्यादा अंक गिरकर 74,883.79 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 73,534 अंक तक फिसल गया था। अंत में 1690.23 अंक या 2.25 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73,583.22 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 पर 23,173.55 खुला। इंट्रा-डे ट्रेड में 22,804 अंक के लो लेवल तक गया। अंत में 486.85 अंक या 2.09 प्रतिशत गिरकर 22,819 पर बंद हुआ।जियोजित इंवेस्टमेंट्स में रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, बढ़ती बॉन्ड यील्ड, पश्चिमी बाजारों से नकारात्मक संकेत और एशियाई बाजारों के मिश्रित प्रदर्शन के बीच उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। निवेशक सतर्क बने रहे। हाल की दो दिन की तेजी के बाद मुनाफावसूली देखने को मिली। वहीं, रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने दबाव बढ़ाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने भी वीकेंड से पहले निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी।' गिरावट व्यापक रही, जिसमें बैंकिंग, केमिकल, रियल्टी और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा कमजोरी देखी गई।उन्होंने कहा, शॉर्ट टर्म में बाजार का रुख कमजोर बना रह सकता है। भू-राजनीतिक जोखिम और सप्लाई झटकों के कारण कमाई के अनुमानों में कटौती की।

अयोध्या में धूमधाम से मनाई गई रामनवमी, रामलला का दिव्य सूर्य तिलक बना आकर्षण का केंद्र

» इस अवसर पर 10 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में अत्यधिक भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। अधिकारियों के अनुसार इस अवसर पर 10 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर में दोपहर 12 बजे वैज्ञानिक तकनीक की मदद से रामलला का दिव्य सूर्य तिलक किया गया। इस दौरान करीब नौ मिनट तक सूर्य की किरणें सीधे भगवान के मस्तक पर पड़ीं। गर्भगृह में 14 पुजारियों ने वैदिक परंपरा के अनुसार अनुष्ठान संपन्न किए। समारोह के उपरांत मंदिर के कपाट कुछ समय के लिए बंद कर भगवान को 56 व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया।

श्रीराम की प्रतिमा की स्थापना के बाद यह दूसरा %सूर्य तिलक% समारोह था। रामनवमी का पर्व चैत्र नवरात्र के नौवें दिन मनाया जाता है, यह भगवान श्रीराम के जन्म का प्रतीक पर्व है। सुबह सूर्योदय के साथ ही उत्सव की शुरुआत सूर्य आराधना से हुई, जबकि दोपहर में भगवान के जन्म के समय सभी मंदिरों में विशेष पूजन और अनुष्ठान आयोजित किए गए। अयोध्या के पुजारी अनुराग शुक्ला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने भक्ति गीत गाए और पालने में विराजमान रामलला की प्रतिमा को झुलाकर जन्मोत्सव मनाया।

इस अवसर पर भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान की रथयात्राएं विभिन्न मंदिरों से निकाली गईं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरयू नदी के तट पर पवित्र स्नान किया, जबकि कई श्रद्धालुओं ने व्रत भी रखा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अयोध्या को विभिन्न जोन और सेक्टरों में बांटा गया था। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात में बदलाव किया गया। भारी वाहनों का मार्ग पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ा गया।

अर्धसैनिक बलों, पीएसी और स्थानीय पुलिस के साथ जल पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की टीमें भी तैनात रहीं

जिन्होंने विशेष रूप से सरयू नदी के आसपास निगरानी रखी। गर्मी से तीर्थयात्रियों को राहत दिलाने के लिए राम मंदिर और हनुमानगढ़ी सहित प्रमुख स्थानों पर छांव और चटाई की व्यवस्था की गई थी। सभी प्रमुख स्थलों पर पीने का पानी उपलब्ध कराया गया था।

कौशांबी में भीषण हादसा: ट्रक की टक्कर से पिकअप के उड़े परखच्चे, 8 तीर्थयात्रियों की मौत

» हादसे पर सीएम योगी दुखी, आर्थिक सहायता की घोषणा

» बीपीएस न्यूज

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में शुक्रवार को श्रद्धालुओं को ले जा रहे एक पिकअप वाहन के राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े एक ट्रेलर ट्रक से टकरा जाने के कारण पांच महिलाओं और तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा जिले के सैनी थाना क्षेत्र के डोरमा पेट्रोल पंप के पास लगभग शाम चार बजे हुआ। पिकअप वाहन प्रयागराज से फतेहपुर जा रहा था और सड़के किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया। मृतकों की पहचान फतेहपुर जिले के जहानाबाद-बिंदकी क्षेत्र के निवासियों के रूप में हुई है। वे मां शीतला के मंदिर कड़ा धाम में दर्शन करके लौट रहे थे। इससे पहले, वे एक बच्चे के मुंडन संस्कार में शामिल होने प्रयागराज गए थे। पुलिस के अनुसार, हादसे के समय पिकअप वाहन में महिलाओं और बच्चों समेत करीब दो दर्जन श्रद्धालु सवार थे।प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) ज्योति नारायण ने भी दुर्घटना स्थल का दौरा किया और बताया कि इस हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि घायल यात्री सड़क पर पड़े थे और मदद के लिए गुहार लगा रहे थे। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को सूचित किया।पुलिस और आपातकालीन विभाग की टीमों ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया और कई एम्बुलेंस भेजकर घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, 20 से अधिक घायल व्यक्ति अस्पताल लाए गए, जिनमें कुछ में हड्डी टूटने की चोटें थीं, जबकि कई को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। कुछ घायलों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, लेकिन बाद में यातायात बहाल कर दिया गया। पुलिस ने दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का संज्ञान लिया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कौशाम्बी में हुए सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए प्रत्येक मृतक के परिजन को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। वहीं, घायलों को 50-50 हजार रुपये की मदद प्रदान करने के निर्देश भी दिए गए हैं।मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन से घटना की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि घायलों के इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और उन्हें समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

रामनवमी पर चमका सोने-चांदी का बाजार

नई दिल्ली। वायदा कारोबार में सोने की कीमत शुक्रवार को 1,997 रुपये उछलकर 1.41 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। वैश्विक बाजारों में मजबूती और भारी गिरावट के बाद निचले स्तर पर खरीदारी के चलते सोने के दाम में तेजी आई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अप्रैल माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 1,997 रुपये यानी 1.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। बृहस्पतिवार को शाम के सत्र में यह 4,604 रुपये यानी 3.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,39,493 रुपये पर बंद हुआ था।

पश्चिम एशिया संकट: पीएम मोदी की राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक, तैयारियों की हुई समीक्षा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक टीम इंडिया की भावना के तहत राज्यों और केंद्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका-इस्राइल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले किए।बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे।एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस टीम इंडिया की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

हिमस्खलन की चपेट में आने से छह लोगों की मौत, कई वाहन दबे

लेह । लद्दाख में श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर जोजिला दर्रे पर शुक्रवार को भारी हिमस्खलन में एक यात्री वाहन फंस गया, जिसमें सवार छह लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए।लद्दाख सेक्टर के जोजिला दर्रे के जीरो प्वाइंट इलाके में हिमस्खलन हुआ। जिसमें कुछ वाहन बर्फ के नीचे फंस गए। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत हो गई है। पांच अन्य व्यक्ति घायल हो गए हैं, शुक्रवार को जोजिला दर्रे पर एक यात्री वाहन हिमस्खलन की चपेट में आ गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यात्री वाहन पर भारी बर्फ का ढेर गिर गया। इस भारी बर्फबारी के कारण वाहन में सवार छह लोगों की मौके पर ही जान चली गई। वहीं, पांच अन्य यात्रियों को गंभीर चोटें आईं।घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल तेजी से मौके पर पहुंचा। उन्होंने तुरंत घायलों को निकालने और शवों को मलबे से बाहर निकालने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया। सभी घायल व्यक्तियों को तत्काल इलाज के लिए पास की चिकित्सा सुविधाओं में स्थानांतरित कर दिया गया है।अधिकारियों ने पुष्टि की कि बचाव और निकासी अभियान अभी भी सक्रिय रूप से जारी है। यह अभियान कठिन पहाड़ी इलाके में चलाया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन भी बचाव कार्यों में सहयोग कर रहा है।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहना शादीशुदा पुरुष का अपराध है?: इलाहाबाद हाईकोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यदि कोई शादीशुदा पुरुष किसी बालिग महिला के साथ उसकी सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रहता है, तो इसे कानून की नजर में अपराध नहीं माना जा सकता। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने जोर देकर कहा है कि अदालतों का प्राथमिक कर्तव्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, और इस कर्तव्य के बीच सोशल मोरैलिटी की दीवार खड़ी नहीं की जा सकती।यह पूरा मामला एक ऐसे जोड़े से जुड़ा है जो साथ रह रहे थे, लेकिन उन्हें महिला के परिवार की ओर से जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। महिला के परिजनों का तर्क था कि पुरुष पहले से शादीशुदा है, इसलिए यह रिश्ता गैर-कानूनी और अनैतिक है।इस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कानून और नैतिकता दो अलग-अलग चीजें हैं। हाईकोर्ट के मुताबिक, ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिसके तहत एक शादीशुदा पुरुष को किसी बालिग महिला की मर्जी से साथ रहने के कारण सजा दी जा सके।सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि महिला ने पहले ही पुलिस को सूचित कर दिया था कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से इस रिश्ते में है। इसके बावजूद उसे 'ऑनर किलिंग' यानी सम्मान के नाम पर हत्या का डर सता रहा था। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक 'शक्ति वाहिनी बनाम भारत संघ' मामले का हवाला देते हुए कहा कि दो बालिग व्यक्तियों की सुरक्षा करना राज्य और पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है।अदालत ने याचिकाकर्ताओं, अनामिका और नेत्रपाल की गिरफ्तारी पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। इसके साथ ही महिला के परिवार को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे इस जोड़े के जीवन में किसी भी तरह का हस्तक्षेप न करें।

घर से गायब हो जाएंगी छिपकली

बस एक बार बनाकर देखें 5 रुपये वाला जादुई नुस्खा

गर्मियां और मानसून आते ही घरों में छिपकलियों का आतंक बढ़ जाता है। कभी किचन की स्लैब पर, तो कभी बेडरूम की दीवारों पर रेंगती छिपकलियां न सिर्फ डर पैदा करती हैं, बल्कि हाइजीन के लिहाज तो काफी खतरनाक होती हैं। अगर आप भी महंगे पेस्ट कंट्रोल और केमिकल स्प्रे से थक चुके हैं, तो हम आपके लिए लाए हैं 5 रुपये वाला जादुई नुस्खा। इसे इस्तेमाल करके आप छिपकलियों से इस सीजन के लिए छुटकारा पा सकते हैं।

शैम्पू और प्याज

घर की दीवारों पर चिपकी हुई छिपकलियों को तुरंत भगाने के लिए सबसे बेस्ट तरीका तो स्प्रे होता है। इसे बनाने के लिए एक रुपये वाला कोई भी शैम्पू पाउच लेकर, उसमें प्याज का रस निकाल लें। इसमें आधा ग्लास पानी भी मिक्स कर लें। तीनों चीजों को अच्छे से मिक्स करके एक स्प्रे बोतल में भर लें। इसे अच्छी तरह से हिलाएं। अब जहां भी छिपकली दिखे, वहां पर इस घोल का छिड़काव करें। प्याज की तीखी गंध और शैम्पू की चिपचिपाहट छिपकलियों को वहां टिकने नहीं देगी।

काली मिर्च और ठंड़ा पानी

छिपकलियों को तीखी बदबू और अचानक से बदला हुआ टेंपरेचर बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं होता है। इसलिए ठंडे पानी में कुटी हुई काली मिर्च या फिर लाल मिर्च के पाउडर को मिक्स कर लें। जैसे ही आप यह पानी छिपकली पर स्प्रे करेंगे, उसे सेंसेशन महसूस होगा और वह तुरंत घर छोड़कर भाग जाएगी।

अंडे के छिलके

छिपकलियां अंडे के छिलकों से बहुत डरती हैं। उन्हें लगता है कि यह कोई बड़ा शिकारी पक्षी है। इसीलिए अंडों के खाली छिलकों को धोकर किचन के कोनों या फिर खिड़कियों पर रख दें। हर 15 दिनों में इन्हें बदलते रहें।

कॉफी और तंबाकू की गोलियां

आपके घर में अगर किसी भी प्रकार से छिपकलियां भागने का नाम ही नहीं ले रही हैं, तो उनके लिए ये सबसे बेस्ट तरीका है। कॉफी पाउडर और तंबाकू को बराबर मात्रा में मिला लें।

फिर इसमें थोड़ा- थोड़ा पानी मिक्स करके गोलियां बना लें। इन्हें माचिस की तीली या टूथपिक के ऊपर लगाकर अलमारी के पीछे या कोनों में रख दें। इसकी महक से छिपकलियों को दूर रखने में फायदा मिलेगा।

ब्रेस्ट कैंसर कम उम्र की महिलाओं में क्यों बढ़ रहा है?

ब्रेस्ट कैंसर से हर साल दुनियाभर में लाखों महिलाएं अपनी जान गंवा रही हैं. एक समय था जब 40 से 50 साल की उम्र के बाद महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले ज्याद देखने को मिलते थे. कुछ सालों में भारत में चिंताजनक बदलाव देखने को मिला है. आज के समय में 30 से 40 की उम्र की महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. अपोलो अथीना महिला कैंसर सेंटर में मेडिकल एवं प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी की प्रिंसिपल लीड डॉ. ज्योति वाधवा से जानते हैं भारत में कम उम्र की महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क क्या है.

» कम उम्र में ब्रेस्ट कैंसर क्यों बढ़ रहा है?

डॉक्टर ज्योति वाधवा ने बताया कि भारत में कम उम्र में ब्रेस्ट कैंसर के मामले के पीछे कई कारण हो सकते हैं. बदलती लाइफस्टाइल, तनाव, हार्मोनल असंतुलन, देर से शादी या मातृत्व, अनहेल्दी खान-पान और जागरूकता की कमी जैसे कई कारण हो सकते हैं.

» बदलती लाइफस्टाइल और खानपान

आज के समय में प्रोसेस्ड फूड, जंक फूड और हाई कैलोरी डाइट का अधिक सेवन करते हैं. इस डाइट से मोटापा और हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या का रिस्क बढ़ता है, जो कि कैंसर के जोखिम को बढ़ सकता है.

» तनाव

डॉक्टर ज्योति वाधवा के अनुसार लंबे समय तक तनाव में रहने से कोर्टिसोल बढ़ता है जो कि कैंसर का कारण बन सकता है. तनाव लेने से इम्यून सिस्टम भी कमजोर होता है. स्वस्थ रहने के लिए तनाव को मैनेज करें. ब्रेस्ट कैंसर होने का कारण तनाव और मोटापा भी हो सकता है.

» शराब और स्मोकिंग

अल्कोहल और स्मोकिंग करने से भी ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क बढ़ सकता है. शराब और स्मोकिंग करने से शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और हार्मोनल बदलाव होता है जिससे कैंसर का रिस्क बढ़ता है.

क्या ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम हो सकता है कम?

डॉक्टर के अनुसार हेल्दी आदतों को अपनाकर कैंसर के रिस्क को कम किया जा सकता है.

» रोजाना एक्सरसाइज करें

रोजाना एक्सरसाइज करने से हार्मोन संतुलन बनाए रखते हैं जो कि कैंसर के रिस्क को कम करते हैं.

» बैलेंस डाइट

बैलेंस डाइट का सेवन करें. थाली में फल, सब्जियां, हाई फाइबर फूड को थाली में शामिल करें.

» शराब और स्मोकिंग

शराब और स्मोकिंग करने से बचना चाहिए. क्योंकि इनका सेवन करने से कैंसर का रिस्क बढ़ता है.

रोचक किस्से भी जुड़े रहे हिट फिल्मी गीतों की धुनों से

हिंदी फिल्मों के गीत केवल मनोरंजन नहीं होते, वे उस दौर की भावनाओं, रचनात्मकता और कलाकारों की जद्दोजहद की कहानी भी अपने भीतर समेटे होते हैं। कभी कोई गीत आखिरी वक्त में फिल्म में जुड़ता है और अमर हो जाता है, तो कभी बेहद लोकप्रिय गीत भी फिल्म से बाहर कर दिया जाता है। कई बार गीतों के मुखड़े और अंतरे पर महीनों बहस चलती है, तो कभी एक धुन अचानक पैदा होकर इतिहास रच देती है। हिंदी सिनेमा के सफर में ऐसे अनगिनत किस्से हैं, जो बताते हैं कि पर्दे पर दिखने वाला तीन-चार मिनट का गीत दिलचस्प परिस्थितियों में जन्म लेता है।

फिल्मी गीतों के इतिहास में ऐसे अनेक दिलचस्प प्रसंग मिलते हैं। एक मशहूर किस्सा फिल्म 'मुगल-ए-आज़म' के गीत 'प्यार किया तो डरना क्या' से जुड़ा है। बताया जाता है कि इस गीत के भव्य दृश्यांकन के लिए शीश महल का विशाल सेट बनाया गया था और इसे फिल्माने में लंबा समय और भारी खर्च लगा। बाद में यही गीत फिल्म की पहचान बन गया। इसी तरह फिल्म 'मेरा नाम जोकर' का गीत 'जीना यहां मरना यहां' भी दिलचस्प कहानी समेटे हुए है। कहा जाता है कि यह गीत कहानी के भाव को समेटने के लिए बाद में जोड़ा गया और अंततः वही फिल्म की आत्मा बन गया। वहीं कुछ गीत ऐसे भी रहे जो रिकॉर्ड होने और फिल्माए जाने के बाद भी अंतिम संपादन में हटा दिए गए। कई बार फिल्म की लंबाई, कहानी की गति या बदलती परिस्थितियों के कारण ऐसे फैसले लेने पड़े। इन रोचक घटनाओं से स्पष्ट है कि फिल्मी गीत केवल धुन और शब्द नहीं होते, बल्कि उनके पीछे भी एक अनकही कहानी छिपी होती है, जो भारतीय सिनेमा के इतिहास को और भी रंगीन बनाती है।

इन्हीं कहानियों में एक बेहद मशहूर किस्सा जुड़ा है 1960 में आई फिल्म 'काला बाजार' के गीत 'खोया खोया चांद' से। कहा जाता है कि इस गीत के बोल एक माचिस की डिब्बी पर लिखे गए थे। फिल्म के निर्माता और अभिनेता देव आनंद थे और संगीतकार थे सचिन देव बर्मन। गीत लिखने की जिम्मेदारी मशहूर गीतकार शैलेन्द्र को दी गई। लेकिन शैलेंद्र व्यस्त थे और गीत लिखने में देरी हो रही थी। तब एसडी बर्मन ने अपने बेटे राहुल देव बर्मन यानी पंचम दा को भेजा कि वे शैलेंद्र से गीत लिखवाकर ही लौटें। दोनों रात में मुंबई के जुहू बीच पर टहलते हुए धुन और शब्द तलाश रहे थे। समुद्र की लहरें, आसमान में पूरा चांद। इस बीच शैलेंद्र ने पंचम दा से माचिस मांगी। पंचम दा ने उसी डिब्बी पर ताल देते हुए धुन गुनगुनाई। वहीं शैलेंद्र ने आसमान की ओर देखा और बोल निकले 'खोया-खोया चांद, खुला आसमान ज!' तो पंचम दा ने तुरंत माचिस की डिब्बी पर ही शब्द लिख लिए। बाद में इस गीत को मोहम्मद रफ़ी की आवाज मिली और यह गीत हिंदी फिल्म संगीत का अमर हिस्सा बन गया। यह कहानी बताती है कि महान गीत कभी-कभी बेहद साधारण परिस्थितियों में भी जन्म ले लेते हैं।

गीतों के बोल व गायक की आवाज का असर

हिंदी फिल्म इतिहास में ऐसा पहला किस्सा नहीं था। कई गीतों के पीछे ऐसी घटनाएं हैं जो आज भी संगीत प्रेमियों को रोमांचित करती हैं। मसलन, 1964 की फिल्म 'संगम' का प्रसिद्ध गीत 'दोस्त दोस्त ना रहा' को गाने के लिए पहले किसी और गायक पर विचार किया गया था, लेकिन अंततः अभिनेता-निर्माता राज कपूर ने फैसला किया कि यह गीत मुकेश ही गाएंगे। मुकेश की दर्द भरी आवाज ने इस गीत को इतना असरदार बना दिया कि यह दोस्ती और विश्वासघात का प्रतीक बन गया। इसी तरह 1957 की फिल्म 'प्यासा' का गीत 'ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है' भी अपने बनने की कहानी के कारण खास माना जाता है। निर्देशक गुरु दत्त चाहते थे कि यह गीत फिल्म के चरम भावनात्मक क्षण को व्यक्त करे। संगीतकार सचिन देव बर्मन और गीतकार साहिर लुधियानवी के बीच इस गीत के मूड को लेकर लंबी चर्चा हुई। जब अंतिम शब्द बने और मोहम्मद रफ़ी ने उसे गाया, तो वह गीत सिनेमा इतिहास में दर्ज हो गया।

कभी-कभी गीत बनने के बाद भी फिल्म का हिस्सा नहीं बन पाते। 1965 की फिल्म 'गाइड' के निर्माण के दौरान भी ऐसा हुआ था। निर्देशक विजय आनंद और अभिनेता देव आनंद की इस फिल्म में कई गीत रिकॉर्ड किए गए, लेकिन संपादन के दौरान कुछ गीतों को हटा दिया गया। हालांकि जो गीत फिल्म में रहे, जैसे 'आज फिर जीने की तमन्ना है' और 'तेरे मेरे सपने' भारतीय फिल्म संगीत के क्लासिक बन गए। इसके विपरीत कई बार ऐसा भी हुआ कि गीत आखिरी समय में फिल्म में जोड़ा और सर्वाधिक लोकप्रिय हुआ। 1971 की फिल्म 'आनंद' का गीत 'जिंदगी कैसी है पहेली' इसका उदाहरण है। निर्देशक हृषिकेश मुखर्जी चाहते थे कि फिल्म के अंत में जीवन का रहस्य दर्शाने वाला एक गीत हो। संगीतकार सलिल चौधरी व गीतकार योगेश ने मिलकर यह गीत तैयार किया, जिसे मन्ना डे ने गाया।हिंदी सिनेमा में ऐसे भी दौर आए जब बिना गीत वाली फिल्मों का प्रयोग किया गया। मसलन 'इत्तेफ़ाक़' को बिना किसी पारंपरिक गीत के बनाया गया था।

चारागाह की जमीन से हटाया गया कब्जा, अवैध रूप से बनाई गयी मौरंग-गिट्टी की दुकान को किया गया ध्वस्त

» ग्राम पतरसा में तीन लोगों से 750 वर्ग गज जमीन कराई गई मुक्त

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सदर तहसील के ग्राम पतरसा में ग्राम सभा की सुरक्षित चारागाह भूमि पर किए गए अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए करीब 750 वर्ग गज जमीन कब्जामुक्त करा दी। अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई सीमेंट की रेडीमेड बाउंड्री को तोड़ दिया गया और वहां संचालित मौरंग-गिट्टी की दुकान भी हटवा दी गई।

राजस्व अभिलेखों के अनुसार ग्राम पतरसा में गाटा संख्या 208 एवं 210 चारागाह के रूप में दर्ज है। इन गाटों की भूमि के एक हिस्से पर तीन व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था। अतिक्रमणकारियों ने यहां पक्की बाउंड्री बनाकर जमीन घेर ली थी और उसी स्थान पर मौरंग-गिट्टी का कारोबार शुरू कर दिया था।

प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। अभियान के दौरान अवैध रूप से बनाई गई पक्की घेराबंदी को तोड़कर हटाया गया और पूरी जमीन को कब्जामुक्त कराया गया। कब्जा हटाई गई भूमि का क्षेत्रफल करीब 750 वर्ग गज है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपये आंकी गई है।

यह कार्रवाई ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग और पुलिस बल की मौजूदगी में कराई गई। कार्रवाई के बाद जमीन को पुनः ग्राम सभा के नियंत्रण में दे दिया गया।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने बताया कि राजस्व अभिलेखों में चारागाह के रूप में दर्ज भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था, जिसे हटाकर जमीन को ग्राम सभा के कब्जे में वापस दिलाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी और ग्राम सभा की जमीनों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बाल संरक्षण गृहों का न्यायाधीश अनमोल पाल द्वारा किया गया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार करने के दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल के द्वारा राजकीय बालग्रह बालिका स्वरूप नगर, वह राजकीय बालग्रह बालिका यूनिट 2 नवाबगंज, बाल गृह बालक कल्याणपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया जिनके साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर की सचिव सुदेश कुमारी, अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. राजेश कुमार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह उपस्थित रहे और निरीक्षण मुख्य रूप से उद्देश्य संस्थानों में रह रहे बच्चों एवं महिलाओं के विद्यालय में प्रवेश किए जाने के संबंध में शिक्षा एवं समुचित देखभाल की स्थिति का आकलन करना रहा।

निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम राजकीय बाल गृह (बालिका), स्वरूप नगर का भ्रमण किया गया। यहाँ उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनपद न्यायाधीश द्वारा निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

इस संबंध में जिला प्रोबेशन अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।इसके उपरांत राजकीय बाल गृह (बालिका) यूनिट-2 का निरीक्षण किया गया, जहां रह रही बालिकाओं से उनकी दिनचर्या, शिक्षा एवं अन्य आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान कुछ व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं पाई गईं, जिस पर संबंधित अधीक्षक को व्यवस्था में सुधार लाने तथा संस्थान को सुव्यवस्थित रखने हेतु कड़े निर्देश दिए गए।तत्पश्चात टीम द्वारा राजकीय बाल गृह (बालक), कल्याणपुर का निरीक्षण किया गया। यहां बच्चों से उनकी पढ़ाई, रुचियों एवं खेलकूद गतिविधियों के बारे में जानकारी ली गई। जिन बच्चों के पास अध्ययन सामग्री का अभाव पाया गया, उनके लिए आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया गया। साथ ही, संस्थान में पाई गई अव्यवस्थाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश अधीक्षक को दिए गए।

जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी बाल संरक्षण गृहों में बच्चों एवं महिलाओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं मानसिक परामर्श की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि बच्चों के साथ संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार किया जाए तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे उनके भविष्य का समुचित निर्माण हो सके। एवं 100त्न बच्चों के एडमिशन के लिए डीपीओ को निर्देशित किया गया कि सभी बच्चों का जल्द से जल्द विद्यालय में एडमिशन कराया जाए जिला प्रशासन द्वारा आश्वस्त किया ।

गया कि सभी निर्देशों का पालन सुनिश्चित कर संस्थानों की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।

रसोई गैस की बढ़ती किल्लत को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर आया सामने

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम घुसुवापुर भवन निवादा गाँव में रसोई गैस की बढ़ती किल्लत को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आया। उज्ज्वला योजना के तहत मिले खाली एलपीजी सिलिंडरों को ग्रामीणों ने अपने घरों से निकालकर खेतों में फेंक दिया और इसे केन्द्र सरकार की ऊर्जा नीति के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया। ग्रामीणों का कहना था कि जब गैस एजेंसियों पर घंटों कतार में खड़े रहने के बाद भी सिलिंडर उपलब्ध नहीं हो रहा, तब घरों में खाली सिलिंडर सजाकर रखने का क्या औचित्य है। यह विरोध केवल एक वस्तु को त्यागने का दृश्य नहीं था, बल्कि उस टूटते हुए भरोसे का प्रदर्शन था, जो कभी उज्ज्वला योजना के साथ गरीब परिवारों में जागा था।

गांव के किसानों और महिलाओं ने आरोप लगाया कि रसोई गैस की उपलब्धता लगातार अनिश्चित होती जा रही है। एक ओर एजेंसियों पर लंबी लाइनें हैं, दूसरी ओर आम आदमी की आय इतनी नहीं कि वह बार-बार बढ़ती कीमतों और समय पर न मिलने वाली आपूर्ति दोनों का बोझ उठा सके। जिन परिवारों को स्वच्छ ईंधन की सुविधा देने का वादा किया गया था, वे अब फिर से लकड़ी, उपले और पारंपरिक ईंधनों की ओर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। इससे न केवल घरेलू जीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य, श्रम और गरिमा पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इस दौरान समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष व ककवन ब्लॉक प्रमुख विनय यादव ने केन्द्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार एक तरफ देश में रसोई गैस संकट न होने और पर्याप्त भंडार होने का दावा करती है, जबकि जमीनी सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है।

उन्होंने कहा कि गैस एजेंसियों पर उमड़ती भीड़, घंटों प्रतीक्षा करते उपभोक्ता और खाली हाथ लौटते परिवार इस बात का प्रमाण हैं कि आपूर्ति व्यवस्था गंभीर दबाव में है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ऊर्जा सुरक्षा वास्तव में सरकार की प्राथमिकता है, तो फिर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के लोग सबसे अधिक असुरक्षित क्यों दिखाई दे रहे हैं। विनय यादव ने कहा कि यह संकट केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर व्यापक आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है। छोटे उद्योग, ढाबे, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ, चाय-नाश्ते की दुकानें और ग्रामीण क्षेत्र के सूक्ष्म व्यवसाय भी एलपीजी की कमी और महंगाई से प्रभावित हो रहे हैं। विनय यादव, ओम जी, अंकित चतुर्वेदी, सुमित कुमार, रवि, राजा, राजेश कुमार, राजेंद्र सुभाष आदि लोग रहे।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाने के लिए 1 अप्रैल से 15 प्रदेशों में एक साथ चलेगा राष्ट्रीय पत्रकार हस्ताक्षर अभियान

द जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा चलाया जाएगा राष्ट्रीय पत्रकार हस्ताक्षर अभियान: राकेश डी यादव

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। द जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश डी यादव ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर लंबे समय से उठ रही मांग अब एक संगठित जनआंदोलन का रूप लेती जा रही है। द जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाने हेतु शुरू किया जा रहा राष्ट्रीय पत्रकार हस्ताक्षर अभियान अब निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुका है। 1 अप्रैल 2026 से यह अभियान देश के 15 प्रदेशों में एक साथ शुरू किया जाएगा, जो आने वाले समय में पूरे देश को जोड़ने का कार्य करेगा। आज जब देश में कई पत्रकार सच्चाई उजागर करने के कारण उत्पीड़न, धमकियों और झूठे मुकदमों का सामना कर रहे हैं, तब यह अभियान केवल एक मांग नहीं बल्कि एक आवश्यकता बन चुका है।

लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि उसके प्रहरी कितने सुरक्षित हैं। यदि पत्रकार भयमुक्त होकर काम नहीं कर पाएंगे, तो समाज तक सही और निष्पक्ष जानकारी पहुंचना असंभव हो जाएगा। यह हस्ताक्षर अभियान न केवल पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए है, बल्कि यह देश के हर जागरूक नागरिक को यह संदेश देता है कि लोकतंत्र की रक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है। 15 प्रदेशों से एक साथ इसकी शुरुआत इस बात का संकेत है कि यह मुद्दा अब क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का जनसरोकार बन चुका है।

द जर्नलिस्ट एसोसिएशन का यह प्रयास सराहनीय है कि वह इस अभियान के माध्यम से समाज के हर वर्ग—संगठनों, संस्थाओं और आम नागरिकों—को जोड़कर एक व्यापक जनसमर्थन तैयार कर रहा है। यह पहल सरकार और नीति- निर्माताओं को भी यह सोचने पर मजबूर करेगी कि पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर ठोस कानून बनाना अब टाला नहीं जा सकता। अब समय आ गया है कि हम केवल घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने के बजाय, एक स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाएं।

द जर्नलिस्ट एसोसिएशन के मंडल प्रभारी राजू यादव, कानपुर जिला अध्यक्ष एसपी सिंह, कानपुर तहसील अध्यक्ष विनय पांडेय ने बताया कि ÷पत्रकार सुरक्षा कानून इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो न केवल पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को भी मजबूत करेगा। 1 अप्रैल से शुरू हो रहा यह अभियान एक नई चेतना का प्रतीक है—आइए, हम सब मिलकर इस परिवर्तन का हिस्सा बनें।

कानपुर नगर में "आपदा जोखिम न्यूनीकरण" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

रक्षा सम्बन्धित उपायों पर चर्चा करते हुए दिया गया प्राथमिक उपचार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जितेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबन्धन कानपुर नगर के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण कानपुर नगर द्वारा जनपद के 100 अधिकारियों का 27 मार्च, 2026 को तथा 100 महिला स्वयं सहायता समूह का 29 मार्च, 2026 को बी0एन0एस0डी0 शिक्षा निकेतन, बेनाझाबर, कानपुर नगर में ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विवेक चतुर्वेदी, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) कानपुर नगर के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान राज्य आपदा मोचक बल से अंकित यादव की टीम द्वारा आपदा के दौरान जीवन रक्षा सम्बन्धित उपायों पर चर्चा करते हुये प्राथमिक उपचार जिसमें रक्तश्राव, बैन्डैजिंग, सी0पी0आर0 आदि विषयों पर जानकारी के साथ-साथ डेमो प्रस्तुत किये। प्रदीप कुमार, अग्निशमन अधिकारी, कर्नलगंज, कानपुर नगर द्वारा आग लगने के कारणों, आग बुझाने के सिद्वान्त पर चर्चा करते हुये रसायनिक अग्निशामक यन्त्रों को चलाये जाने का डेमो प्रस्तुत किया। विमलेश कुमार, सहायक उपनियन्त्रक, नागरिक सुरक्षा द्वारा शिविल डिफेन्स का आपदा में क्या महत्व है और नागरिक सुरक्षा की सेवायें व रेस्क्यू के संबंध में जानकारी प्रदान की। लखन कुमार शुक्ला, मुख्य आपदा प्रशिक्षक, आपदा प्रबन्धन द्वारा धुऐं में फंसे लोगों को, बिल्डिंग में फंसे हुये लोगों को, फायरमैन लिफ्ट, टू हैण्डशीट, फोर हैण्डशीट द्वारा रेस्क्यू किये जाने का डेमो, कम्बल और बोरी से स्ट्रेचर बनाना, हीटवेव से बचाव के उपाय पर गहनता से प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का समापन पुष्पेन्द्र कुमार, अपर नगर मजिस्ट्रेट (पंचम)/प्रभारी अधिकारी (दै0आ0), कानपुर नगर ने किया तथा उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि समाज के हर नागरिक को आपदा प्रबन्धन की जानकारी नितान्त आवश्यक है, ताकि विषम परिस्थितियों में जन और धन की हानि को रोका जा सके। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन जुगबीर सिह, आपदा विशेषज्ञ, कानपुर नगर ने किया।

पुलिस ने बुजुर्ग की गैरइरादतन हत्या में चार आरोपी जेल भेजे गए

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । गोविंदनगर पुलिस ने बुजुर्ग की मौत के मामले में चार आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में मृतक के पड़ोसी दो सगे भाई अरुण व आनंद कठेरिया, मृतक के बेटे के साले उन्नाव के फतेहपुर के ऊगू देहात निवासी मंजेश और सर्वेश शामिल हैं। गोविंदनगर कच्ची बस्ती निवासी रंजीत ने पुलिस को बताया कि शराब पीने को लेकर भाई रोशन और भाभी पूजा में झगड़ा होता था।

शुक्रवार रात को विवाद हो रहा था तभी भाभी के भाई मंजेश, सर्वेश और उनकी बहन संध्या, बुआ रामजानकी व उनकी बेटी बेबो घर आ गए। लाठी-डंडों से भाई को पीटा। पिता राजाराम, भाई प्रेम, बहन संध्या और वह बचाने पहुंचे तो आरोपियों संग मिलकर पड़ोसी आनंद, अरुण व उसकी पत्नी किरन ने भी उन्हें पीटा। पिता को अस्पताल ले जाते समय जाम में फंसकर उनकी मौत हो गई। गोविंदनगर थाना प्रभारी रिकेश सिंह ने बताया कि मृतक के बेटे की शिकायत पर गैरइरादतन हत्या समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। रविवार को चार आरोपियों को हैलट के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

चाचा-भतीजा की दुकानों के ताले तोड़कर माल पार, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी कैमरे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। हटिया निवासी गौरव अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि घर के पास किराना बाजार में गौरव किराना एंड जनरल स्टोर्स नाम से दुकान है। रविवार सुबह दुकान के पास से निकल रहे लोगों ने दुकान के ताले टूटे होने की जानकारी दी। इसी तरह चोरों ने ठीक बगल में चाचा बसंतलाल अग्रवाल की किराना दुकान के तीन ताले तोड़कर माल पार किया। मौके पर किराना व्यापारी इकठ्ठा हो गए और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। मूलगंज इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि कैमरे चेक किए जा रहे हैं।

युवक की मौत, दो माह बाद प्रेमिका के खिलाफ रिपोर्ट हुई दर्ज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के सनिगंवा के चंद्रनगरी निवासी सुशीला देवी के मुताबिक उनका बेटा सत्येंद्र सिंह चौहान उन्हीं के साथ रहता था। डेढ़ साल पहले सत्येंद्र की पत्नी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद से सत्येंद्र अकेला रहने लगा था। करीब छह माह पूर्व सत्येंद्र का मोबाइल से उमा सिंह नाम की महिला से संपर्क हुआ जो पहले से शादीशुदा थी। आरोप लगाया है कि उमा ने उनके बेटे को प्रेमजाल में फंसाया।इसके बाद उससे रुपये ऐंठने लगी। उमा बेटे के साथ रहने लगी। सुशीला देवी के अनुसार बीती 18 जनवरी को बेटे की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव घर में कमरे में पड़ा मिला था। उमा पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से शिकायत की तब रिपोर्ट दर्ज हुई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि प्रेमिका के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

महिला कल्याण विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल का अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नव निर्माण के 9 दिवसीय मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीया चरण अभियान के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल का मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान बाल गृह (बालिका) की बालिकाओं द्वारा तैयार की गई हस्तकलाओं का अवलोकन किया गया, जिन्हें उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सराहा। साथ ही बालिकाओं के हुनर और प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया गया तथा स्टाल में आए लाभार्थियों को विभाग द्वारा चलाई जा रही योजना बाल सेवा योजना सामान्य, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला आदि से लाभान्वित कराया गया।

विश्व क्षयरोग दिवस पर 25 मरीजों को दी गई निक्षय पोषण पोटली

» टीबी उन्मूलन के संकल्प के साथ निक्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर निक्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में किदवई नगर के विधायक महेश त्रिवेदी, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई तथा घाटमपुर की विधायक सरोज कुरील ने संयुक्त रूप से निक्षय वाहन को रवाना किया। इस दौरान 25 क्षयरोगियों को निक्षय पोषण पोटली वितरित की गई और चिकित्सा शिविर में हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से जांच की व्यवस्था भी की गई।

कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष के विश्व क्षयरोग दिवस की थीम "Yes! We Can End TB – Led by Bharat, Powered by Janbhagidari" पर विशेष जोर दिया गया और जनभागीदारी के माध्यम से टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया गया।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कानपुर मंडल डॉ. जी.के. मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी तथा जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. सुबोध प्रकाश को बधाई प्रेषित की गई। इस अवसर पर टीबी मुक्त घोषित 58 ग्राम पंचायतों के प्रधानों को महात्मा गांधी की कांस्य एवं रजत प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में वर्ष 2025 के दौरान निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत सहयोग देने वाले 16 निक्षय मित्रों को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनसे अपील की गई कि वे आगे भी क्षयरोगियों को पोषण पोटली उपलब्ध कराने में सक्रिय सहयोग देते रहें।

कार्यक्रम में उप जिला क्षयरोग अधिकारी, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी तथा टीबी चैंपियन रश्मि सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

घरेलू गैस सिलेंडर की हो रही कालाबाजारी, जिलापूर्ति अधिकारी आंखमूदे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मोहम्मदी यूथ ग्रुप की एक बैठक ग्रुप के अध्यक्ष इखलाक अहमद डेविड की अध्यक्षता में खानकाहे हुसैनी कर्नलगंज में हुई। जिसमें गैस की कालाबाजरी करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की मांग अपर जिलाधिकारी आपूर्ति से की। इखलाक अहमद डेविड ने कहा कि कानपुर नगर में गैस एजेंसियों की वज़ह से पूरा शहर के गैस उपभोक्ता परेशान है, लेकिन जिलापूर्ति कार्यालय अधिकारी आंखमूदे है शिकायतों पर कोई कार्यवाही नही की जा रही।कानपुर व मीरा गैस एजेंसी में तो खेल चल रहा है छ्ष्ट नंबर जनरेट होने के 3 दिन बाद स्स्ब्स से जानकारी मिलती है कि घरेलू गैस सिलेंडर डिलीवर हो गया है। वो सिलेंडर ब्लैक कर दिया जा रहा है। मीरा गैस का गोदाम सिंहपुर बिठूर में है उपभोक्ता वहां जाता है और वहां से भी निराश होकर लौट जाता है। 15-15 किलोमीटर दूर गोदाम जाना पड़ रहा है उसकी व्यवस्था मीरा गैस आफिस के पास होनी चाहिए। एक तो गैस मिलती नही ऊपर से इतनी दूर जाना पड़ता है कभी-कभी वहां से भी उपभोक्ता को निराश लौटना पड़ता है।

गैस की कोई कमी नही है लेकिन यह एजेंसी वाले उपभोक्ता को परेशान कर रहे है। मोहम्मदी यूथ ग्रुप जनहित में कानपुर नगर के अपर जिलाधिकारी से गैस एजेंसियों की जांच कर कड़ी कार्यवाही कर ब्लैक करने वाली एजेंसियों के लाइसेंस रद्द करने की कार्यवाही की जाए। उपभोक्ता की समस्या का समाधान कराया जाये। काला बजारी बंद हो। गैस डिलीवरी मैन घरेलू गैस सिलेन्डर से छोटे सिलेंडर में गैस रिफिलिंग कर उपभोक्ता को कम गैस वाला सिलेंडर देते है।बैठक में मुख्य रुप से इखलाक अहमद डेविड, अफज़ाल अहमद, जमालुद्दीन फारुकी, मोहम्मद अरशद, जियाउद्दीन फारुकी, मोहम्मद वसीम, गुफरान अहमद, शौकत अली, मोहम्मद राहिल, मोहम्मद अज़हर, मोहम्मद जैद परवेज़ आलम वारसी, मोहम्मद वसीम, मेहनाज़ अहमद आदि लोग मौजूद थे।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में एआरटीओ एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा विजयनगर चौराहा पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान शहर में संचालित प्राइवेट बसों की जांच एवं यातायात नियमों के प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। अभियान के दौरान प्राइवेट बसों की सघन चेकिंग की गई, जिसमें वाहन संबंधी अभिलेखों, परमिट, फिटनेस, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस तथा ओवरलोडिंग एवं विशेष रूप से स्टेज कैरिज एवं कॉन्ट्रैक्ट कैरिज वाहनों की वैधता की जांच की गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि– स्टेज कैरिज वाहन निर्धारित मार्ग एवं निर्धारित स्टॉपेज पर ही सवारी उठाएं/उतारें। कॉन्ट्रैक्ट कैरिज वाहन (जैसे बस/टैक्सी) अनुबंध के अनुसार ही संचालित हों और बीच रास्ते सवारी न बैठाएं। परमिट की शर्तों का पूर्णतः पालन किया जा रहा हो।चेकिंग के दौरान कई बसों में अनियमितताएं पाई गईं, जिनके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार चालान एवं अन्य विधिक कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान वाहन चालकों को (हाईवे हिप्नोसिस) के प्रति भी जागरूक किया गया। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें चालक लंबी दूरी तक एकसमान सड़क पर वाहन चलाते समय मानसिक रूप से सुस्त या अचेतन अवस्था में पहुंच सकता है, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। इस संबंध में चालकों को निम्न सलाह दी गई– नियमित अंतराल पर विश्राम लें

पर्याप्त नींद लेकर ही वाहन चलाएं

लंबी दूरी पर ड्राइविंग के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लें अत्यधिक थकान या उनींदापन महसूस होने पर तुरंत वाहन रोक दें

लंबी दूरी की यात्रा के लिए बसों में 2 या 3 चालकों की व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि चालक बदल-बदल कर वाहन चला सकें और थकान से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।इस संयुक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना, यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना है। यातायात पुलिस ने आमजन एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, वैध दस्तावेज साथ रखें तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार ड्राइविंग करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।